RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 191 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

हिमाचल के मंडी में बादल फटने से हाहाकार

प्रदेश को 800 करोड़ रुपये का नुकसान, 261 सड़कें बंद

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में तबाही का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आसमान से हो रही बारिश और दरकते पहाड़ दिलों में खौफ पैदा कर रहे हैं। कुल्लू में बादल फटने के बाद सैलाब ने जो तबाही मचाई उसकी तस्वीरें अभी धुंधली भी नहीं हुई कि शिमला में एक पांच मंजिला इमारत 5 सेकेंड में जमींदोज़ हो गयी।

यहां चल रहे फोरलेन के निर्माण की वजह से इस इमारत में पहले से ही गहरी दरारें आ गई थीं। प्रशासन ने इमारत को खाली करा लिया था जिससे किसी जान माल का नुकसान तो नहीं हुआ। हिमाचल के मंडी में भी आज बादल फटा है।

लेकिन बारिश के मौसम को देखते हुए आसपास की इमारतों के लोगों में दहशत का माहौल है। शिमला के रिज में पूरी तरह धुंध छाई हुई है और 6 जुलाई तक तेज बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है।

भारी बारिश और बादल फटने से मंडी के अलग अलग हिस्से में तबाही जारी है। पंडोह डैम से 1 लाख 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिससे पंडोह बाजार में बीती रात पानी भरने से भगदड़ जैसे हालात हो गए। आज भी मंडी में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिले के स्कूल कॉलेज आज बंद हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जून में 37 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। बारिश के बाद तापमान भी सामान्य से कम जा रहा है। जिला ऊना, बिलासपुर, (शेष पृष्ठ-4 पर)

यीडा के नए सीईओ ने संभाला पदभार, काम-काज किया शुरू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश कुमार सिंह ने पद-भार संभाल लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। आपको बता दें कि कुछ दिनों पूर्व ही उन्हें यीडा का नया सीईओ उत्तर प्रदेश सरकार ने नियुक्त किया था। साथ ही उन्हें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) परियोजना का मुख्य प्रभारी अधिकारी भी बनाया गया है।

अब तक मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव पद पर कार्यरत आईएएस अधिकारी राकेश कुमार सिंह की गिनती मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसेमंद अधिकारियों में होती है। उनकी कार्यशैली तेज, परिणामोन्मुखी और समन्वय आधारित मानी जाती है। इन दोनों जिम्मेदारियों को उनके कंधों पर सौंपे जाने का निर्णय इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार अब जेवर एयरपोर्ट जैसी मेगा परियोजनाओं को और आक्रामक ढंग से आगे बढ़ाना चाहती है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जिसे जेवर एयरपोर्ट के नाम से जाना जाता है, न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए विकास का इंजन माना जा रहा है। यह देश का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनने की ओर अग्रसर है। परियोजना का पहला चरण 2024 के अंत तक पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना में निवेश, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरी और निर्माण से संबंधित कई स्तरों पर तेज निर्णयों की आवश्यकता है। यही कारण है कि प्रशासनिक अनुभव रखने वाले अधिकारी को इसकी कमान सौंपी गई है।

मंगलवार दोपहर यीडा के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने यीडा के कार्यालय पहुंचकर पदभार संभाला और काम काज शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि यीडा क्षेत्र में विकास कार्यों को और गति देने साथ ही जेवर एयरपोर्ट के काम को तेज करने को प्राथमिकता दी जाएगी।

बिल्डर साइट पर बोर्ड लगाने पहुंचे लोग, विरोध करने पर बिल्डर की तोड़ी नाक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के सेक्टर पाई-4 में बिल्डर साइट पर कुछ लोगों द्वारा अपना बोर्ड लगाने का प्रयास किया। बिल्डर द्वारा विरोध करने पर बोर्ड लगाने पहुंचे लोगों ने बिल्डर के साथ मारपीट की। मारपीट में बिल्डर की नाक की हड्डी टूट गई।

मोदीनगर गाजियाबाद निवासी विशाल बंसल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह बा इंफ्रा वेंचर कंपनी के निर्देशक हैं उनकी कंपनी रियल एस्टेट का व्यापार करती है। उनकी कंपनी का एक प्रोजेक्ट ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पाई-4 में चल रहा है। 18 जून को वह अपने व्यापारिक सहयोगी अशोक भारद्वाज, महेश गोयल तथा विजय चौहान आदि के साथ अपने प्रोजेक्ट पर गए थे। जब वह अपनी निर्माणाधीन साइट पर पहुंचे तो उन्हें वहां नदीम अहमद, आदिल, सत्येंद्र ,सकलेन तथा ताबीस उनकी साइड पर अपना बोर्ड लगाते हुए दिखाई दिए। उन्होंने जब अपनी साइट पर बोर्ड लगाने से मना किया तो पांचों आरोपी एकदम से उग्र हो गए और उन्होंने भद्दी-भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों व उनके अज्ञात साथियों ने लाठी-डंडों व सरियों से उन्हें पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान आदिल ने उनकी नाक पर घूंसा मारा। इस दौरान नदीम ने अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। कुछ देर बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर प्रोजेक्ट के बाउंड्री से बाहर चले गए।

विशाल बंसल के मुताबिक जब वह अपने साथियों के साथ उपचार के लिए अस्पताल जा रहा था तो आरोपियों ने जेसीबी व गाड़ियां लगाकर रास्ते में अवरोध उत्पन्न कर दिया। इस दौरान इकट्ठा हुई भीड़ की मदद से किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे। विशाल बंसल के मुताबिक नदीम के इशारे पर ही उन पर यह हमला हुआ था और उन्हें भविष्य में भी उससे जान का खतरा बना हुआ है।

बिल्डिंग मैटेरियल सप्लाई कंपनी को अकाउंटेंट ने लगाया चूना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिल्डिंग मैटेरियल सप्लाई करने वाली एक फर्म में कार्यरत एकाउंटेंट ने मालिक को 50 लाख रुपए का चूना लगा दिया। अकाउंटेंट ने माल सप्लाई से आने वाली पेमेंट तथा गाड़ियों की रिपेयरिंग व मेंटेनेंस आदि के लिए अदा किए जाने वाले पैसे को फर्जीवाड़ा कर अपने तथा अपनी पत्नी के खातों में ट्रांसफर करा लिया। फर्म मालिक ने अकाउंटेंट, उसकी पत्नी सहित तीन के खिलाफ थाना बीटा-2 में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज हुआ है।

सेक्टर-47 नोएडा में रहने वाले रमनदीप सिंह सेठी ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह ग्रेटर नोएडा के सेक्टर अल्फा वन में जनता ट्रेडर्स के नाम से बिल्डिंग मैटेरियल सप्लाई की फार्म चलाता है। उस फर्म का कार्य करने के लिए उसके पास 32 गाड़ियां हैं। फर्म के हिसाब की देखरेख के लिए उसने करीब 4 वर्ष पूर्व वृंदावन सिटी सेक्टर पाई-4 ग्रेटर नोएडा निवासी अभय सिंह को अकाउंटेंट के रूप में रखा था। अभय सिंह ने धीरे-धीरे उसका विश्वास जीत लिया। इस कारण वह उसके कहे अनुसार दस्तावेज व लेजर आदि पर उसके कहे अनुसार बिल व चेक आदि पर हस्ताक्षर कर देता था। उसने अकाउंटेंट अभय सिंह को (शेष पृष्ठ-4 पर)

भाजपा के तीन मंडलों की कार्यकारिणी घोषित

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के तीन मंडलों के पदाधिकारियों को घोषणा क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया के अनुमोदन पर जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में की गई। मालूम हो की चेतना मंच ने 30 जून को ही घोषणा कर दी थी कि आज शाम को मंडलों की कार्यकारिणी घोषित कर दी जाएगी। भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने बताया कि क्षेत्रीय कमेटी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल अटल बिहारी वाजपेई मंडल तथा शहीद भगत सिंह मंडल की कार्यकारिणी घोषित की गई है। 16 सदस्य कमेटी में पांच उपाध्यक्ष दो महासचिव एक कोषाध्यक्ष तथा 6 मंत्री बनाए गए हैं। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक नोएडा विधानसभा पंकज सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

फिर सच साबित हुई चेतना मंच की खबर

भाजपा के सात मंडलों के कार्यकारिणी की घोषणा आज

नोएडा (चेतना मंच)। काफी दिनों से प्रतीक्षित नोएडा महानगर भाजपा मंडलों की कार्यकारिणी ... संभावना है। ... वाली क्षेत्रीय ... र्यकारिणी को ... ी है। ... मुताबिक भाजपा के नोएडा में 8 मंडल हैं। जिसमें सरस्वती शिशु मंडल को छोड़कर बाकी 7 मंडलों के अध्यक्ष पहले ही नियुक्त कर दिए गए हैं। इन सभी मंडलों की कार्यकारिणी पहले ही हाईकमान को भेज दी गई थी। जिस पर आज मोहर लगने की संभावना जताई जा रही है। इस कार्यकारिणी में जातिगत समीकरणों के मद्देनजर कार्यकर्ताओं को तरजीह दिये जाने का दावा किया गया है।

सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष की घोषणा 7-8 दिनों में

नोएडा में सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष की घोषणा भी 7-8 दिनों के अंदर होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पार्टी के अंतरंग सूत्रों की माने तो 7-8 दिनों में अध्यक्ष की घोषणा की जा सकती है। बता दें कि फिलहाल सत्यनारायण महावर मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष की कमान संभाले हुए हैं। इस मंडल के अध्यक्ष पद की दौड़ में सत्यनारायण महावर के अलावा दीपक शर्मा तथा अमित नागपाल के नाम प्रमुख तौर पर है। इन तीनों में किसी एक का मंडल अध्यक्ष घोषित होना तय है। मंडल के कार्यकर्ता हाईकमान की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

खतरनाक स्टंट करने वाले युवक पहुंचे जेल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस द्वारा लगातार कड़ी कार्रवाई किए जाने के बावजूद भी स्टंटबाज अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए स्टंटबाज स्टंट कर खुद की और दूसरे लोगों की जान को खतरे में डालने का काम कर रहे हैं। तीन कारों से स्टंटबाजी करने के आरोप में थाना नॉलेज पार्क (शेष पृष्ठ-4 पर)

घरेलू नौकरानी पर हीरे की अँगूठी चुराने का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-93 स्थित एटीएस विलेज में एक घर में काम करने वाली घरेलू सहायिका हीरे की अंगूठी चोरी कर ले गई। गृह स्वामी ने थाना फेस-2 में मुकदमा दर्ज कराया है।

एटीएस विलेज में रहने वाले विभोर त्यागी ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि उन्होंने करीब 1 वर्ष पूर्व मीरा कुमारी नामक महिला को गृह कार्य कर लिए रखा था। मीरा कुमारी उनके यहीं पर रहती थी। गृह कार्य के दौरान उसका सभी कमरों में आना-जाना लगा रहता था। अचानक कुछ माह पूर्व मीरा कुमारी बिना कोई कारण बताए काम छोड़कर चली गई। विभोर त्यागी के मुताबिक कुछ दिन पहले उसकी पत्नी ने अपनी हीरे की अंगूठी पहनने के लिए तलाश की तो वह नहीं मिली। काफी तलाशने पर भी अंगूठी के बारे में कोई पता नहीं चला। उन्होंने शक जाता है कि उनकी पत्नी की अंगूठी को उनकी मेड मीरा कुमारी ही चुरा कर ले गई है क्योंकि उसे पता रहता था की अंगूठी घर में कहां पर रखी रहती है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

बरौला में दिनदहाड़े चोरों ने तोड़ा घर का ताला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में चोरों ने दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम देकर घर से ढाई लाख रुपए की नगदी व कीमती सामान को चोरी कर ले गए। भूमिया मंदिर गली नंबर 20 बरौला में रहने वाले उमेश चौहान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 23 जून की दोपहर को दो तीन अज्ञात लोगों ने उनके घर के दरवाजे पर लगा ताला तोड़ दिया। ताला तोड़ने के बाद चोर उनके घर में घुस गए और अलमारी का भी ताला तोड़ दिया। चोर अलमारी में रखे ढाई लाख रुपए वह अन्य कीमती सामान को चोरी कर ले गए। शाम के समय जब वह घर पहुंचे तो उन्हें ताला टूटा हुआ तथा कमरे में रखा सामान अस्त-व्यस्त मिला। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत स्थानीय चौकी को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की छानबीन की जा रही है।

'बेटे का एक्सीडेंट हो गया है, पैसे की जरूरत है'

बुजुर्ग महिला को ठग ने लगाई चपत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में तक तरह-तरह के हाथ कंधे अपना कर घर में रहने वाली महिलाओं विपरीत लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं ऐसा ही एक मामला थाना फेस वन क्षेत्र में सामने आया है। यहां एक ठग वृद्ध महिला को अपने झांसे में लेकर उनसे नगदी में सोने चांदी के जेवरात लेकर चला गया।

सेक्टर-15 के ए ब्लॉक में रहने वाले विपिन शर्मा ने बताया कि 30 जून को उनकी माताजी घर पर अकेली थी सुबह करीब 11:00 बजे एक अनजान व्यक्ति उनके घर पहुंचा और उनके माता जी को बताएं कि उनके बेटे के साथ दुर्घटना हो गई है। उपचार के लिए उनके बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है उपचार के लिए पैसों की आवश्यकता है। विपिन शर्मा के मुताबिक एक्सीडेंट की बात सुनकर उनके मन घबरा गई और उन्होंने मुख्य व्यक्ति को घर में रखे पैसे ज्वेलरी दे दी। पैसे और ज्वेलरी लेने के बाद उक्त व्यक्ति रफू चक्कर (शेष पृष्ठ-4 पर)

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है इनके पास से चोरी की बाइक व चाकू बरामद हुए हैं। पकड़े गए दोनों आरोपी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से खड़े हुए थे। थाना फेस-1 प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि वाहन चोरी करने वाले दो चोर सेक्टर-14 के गंदे नाले की पटरी पर चोरी की बाइक के साथ खड़े हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर बाइक के साथ खड़े 2 लोगों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम राहुल शर्मा उर्फ लाल पुत्र राजू शर्मा वह मोनू पुत्र ओमवीर शर्मा निवासी न्यू अशोक नगर दिल्ली बताया शक्ति से पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि बरामद बाइक उन्होंने दो दिन पहले सेक्टर 7 ई ब्लॉक की एक कंपनी के बाहर से चोरी की थी। उन्होंने बताया कि वह दोनों नोएडा दिल्ली में बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं और कम दामों में उन्हें बेचकर अपना खर्चा चलाते हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आज 52वां जन्मदिन है। इस मौके पर उन्हें विभिन्न राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं से बधाइयां मिल रही हैं। सपा प्रमुख ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ अपना जन्मदिन मनाया। अखिलेश यादव को जन्मदिन पर राजनैतिक दलों के नेताओं द्वारा बधाई संदेश भी दिया जा रहा है।

अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर सपा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह का माहौल है। पार्टी कार्यालयों में ढोल नगाड़े बजाए जा रहे हैं और कार्यकर्ता पार्टी प्रमुख का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मना रहे हैं। इस मौके पर भंडारे और रक्तदान कैंप जैसे कई सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। सपा प्रमुख के जन्मदिन को लेकर कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता है।

सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर सीएम योगी ने अखिलेश यादव को शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई!'

बसपा प्रमुख ने दी बधाई

बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने X पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'समाजवादी पार्टी के प्रमुख, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान सांसद अखिलेश यादव को उनके जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'

प्राइमरी स्कूल में चोरी का प्रयास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इलाहाबास गांव में स्थित प्राइमरी विद्यालय में चोरों ने चोरी की घटना का प्रयास किया। विफल रहने पर चोरों ने विद्यालय की कक्षाओं के बाहर लगे आरओ को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं चोरों ने रिलायंस जिओ के टॉवर से दो बैटरी चोरी कर ली।

इलाहाबास के प्राइमरी विद्यालय की हेड टीचर ज्योति निगम ने थाना सेक्टर-142 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 21 जून की रात्रि को किसी अज्ञात व्यक्ति ने विद्यालय के चैनल तथा ऑफिस में लगे ताले को तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया। इस दौरान चोर ने कक्षाओं के बाहर लगे आरओ को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं थाना बिसरख क्षेत्र के चिपियाना बुजुर्ग गांव में लगे रिलायंस जिओ के टावर से चोरों ने दो सीओ नाइट बैटरी चोरी कर ली। इस संबंध में कंपनी कर्मचारी मनदीप कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

संवेदनहीन प्रतिक्रिया

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि डर के मारे सभी उसकी आज्ञा का पालन करते थे और नित्य आकर नम्रतापूर्वक उसके चरणों में सिर नवाते थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-भुजबल बिस्व बस्य करि राखेसि कोउ न सुतंत्र।
मंडलीक मनि रावन राज करइ निज मंत्र॥

उसने भुजाओं के बल से सारे विश्व को वश में कर लिया, किसी को स्वतंत्र नहीं रहने दिया। (इस प्रकार) मंडलीक राजाओं का शिरोमणि (सार्वभौम सम्राट) रावण अपनी इच्छानुसार राज्य करने लगा॥

देव जच्छ गंधर्ब नर किंनर नाग कुमारि।
जीति बरीं निज बाहु बल बहु सुंदर बर नारि॥

देवता, यक्ष, गंधर्व, मनुष्य, किन्नर और नागों की कन्याओं तथा बहुत सी अन्य सुंदरी और उत्तम स्त्रियों को उसने अपनी भुजाओं के बल से जीतकर ब्याह लिया॥

इंद्रजीत सन जो कछु कहेऊ। सो सब जनु पहिलेहिं करि रहेऊ॥
प्रथमहिं जिन्ह कहुँ आयसु दीन्हा। तिन्ह कर चरित सुनहु जो कीन्हा॥

मेघनाद से उसने जो कुछ कहा, उसे उसने (मेघनाद ने) मानो पहले से ही कर रखा था (अर्थात? रावण के कहने भर की देर थी, उसने आज्ञापालन में तनिक भी देर नहीं की।) जिनको (रावण ने मेघनाद से) पहले ही आज्ञा दे रखी थी, उन्होंने जो करतूतें की उन्हें सुनो॥

(क्रमशः...)

नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

यकीनन इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाक संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है। लेकिन अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऐसे में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों के शक्ति संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निस्संदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बना सकती है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिलाने वाले इजराइल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभरकर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं गिरा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम

निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में रखा है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इजराइल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में महंगाई घटी रही। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत है और थोक महंगाई दर महज 0.39 फीसदी ही है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। जहां युद्ध की चुनौती के बीच दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न के मूल्य बढ़ गए, वहीं भारत खाद्यान्न के मोर्चे पर अत्यधिक मजबूत है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरत आपूर्ति के गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है। इतना ही नहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2024-25 के लिए कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 फीसदी बढ़कर 35.39 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। भारत के निर्यात आदेश भी बढ़े। इस समय भारत के पास 699 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है।

भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा। ऐसे में अब भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना होगा। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास व रोजगार के लिए एक कारगर हथियार बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंता कम कर सकते हैं। देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लॉजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। अब भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। निश्चित रूप से इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते हैं। किन्तु इस समय पाकिस्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत के द्वारा परमाणु हथियारों को उन्नत किया जाना भी जरूरी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है।

अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और हथियार नियंत्रण समझौतों को छोड़ने की प्रवृत्ति दिख रही है। परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या, नए हथियारों का विकास और हथियार नियंत्रण की कमी एक नई हथियार दौड़ को जन्म दे रही है। दुनिया के नौ परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल सभी अपने परमाणु हथियारों को और उन्नत करने में जुटे हैं। अमेरिका और रूस के पास दुनिया के करीब 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से बुरी तरह पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है, ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआई, साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीकों से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। उम्मीद करें कि सरकार इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर से भारत के लिए जो उम्मीदों भरे आर्थिक-सामरिक सबक निकले हैं, उनके मद्देनजर भारत को आर्थिक शक्ति, एआई की नई तकनीकों और उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। तभी भारत विकसित देशों की श्रेणी में आ पाएगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

प्रदेश में मानसून और तैयारी की परीक्षा

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल प्रदेश एक बार फिर आपदा की चपेट में आने को तैयार खड़ा है। पिछले तीन वर्षों- 2022, 2023 और 2024 के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि पर्वतीय प्रदेश के सामने प्राकृतिक आपदाएं अब अपवाद नहीं, एक नियमित संकट बन चुकी हैं। इस संकट में सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या राज्य, जो पहले से आर्थिक दबाव में है, इस चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार है? शासन की नीतियां, आपदा नियंत्रण की व्यवस्था और आम लोगों की जागरूकता- ये तीनों मिलकर ही भविष्य की आपदाओं को कम कर सकते हैं। वर्ष 2022 की वर्षा अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन फिर भी राज्य में 224 भूस्खलन और 142 बाढ़ जैसी घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 156 लोगों की जान गई। लेकिन असली त्रासदी 2023 में आई, जब जुलाई और अगस्त के महीनों में लगातार मूसलधार वर्षा ने शिमला, मंडी, कुल्लू और चंबा जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया। कुल 330 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई, 10000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ और 1100 से अधिक सडकें, 47 पुल तथा दर्जनों विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्र नष्ट हो गए। 2024 में यह संकट और बढ़ा। वर्षा पहले से अधिक तीव्र थी और उसका प्रभाव अधिक व्यापक।

शासकीय विवरणों के अनुसार 2024 में कुल 389 लोगों की जान गई, 70 पुल बह गए और 378 मकान पूर्णतः ध्वस्त हो गए। इन आपदाओं ने हिमाचल को सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से हिला कर रख दिया। इन घटनाओं के पीछे सबसे प्रमुख कारणों में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ हैं। हिमाचल की भौगोलिक बनावट- तीव्र ढलान, नाजुक मिट्टी, नदी घाटियों में अतिक्रमण- भूस्खलन के लिए पहले से ही संवेदनशील है, लेकिन जलवायु परिवर्तन और मानवीय लापरवाहियों ने हालात और भी बिगाड़ दिए हैं। अनियंत्रित निर्माण, पहाड़ियों की अंधाधुंध कटाई, वन क्षेत्रों का विनाश और जल निकासी की उपेक्षा ने भूमि की पकड़ को कमजोर कर दिया है। जब भारी वर्षा होती है, तो ये ढलान अचानक ढह जाते हैं और निचले क्षेत्रों में भारी तबाही मचाते हैं। वर्षा की तीव्रता और अनियमितता अब सामान्य हो चुकी है। जहां पहले वर्षा कुछ दिनों तक मध्यम होती थी, अब कुछ ही घंटों में महीनों जितनी वर्षा हो जाती है। यह असंतुलन स्पष्ट रूप से पर्यावरणीय संकट का परिणाम है। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में औसतन 1.2 से 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है, जिससे वायुमंडलीय अस्थिरता और बादल फटने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। बादल फटने की दृष्टि से राज्य के कुछ क्षेत्र लगातार अत्यधिक संवेदनशील बने हुए हैं। इनमें किन्नौर के सांगला, चंबा का भरमौर, लाहौल-स्पीति का काजा, कुल्लू की पार्वती घाटी, मंडी का जोगिंद्रनगर और शिमला के रामपुर, रोहड़ू-जुब्बल क्षेत्र प्रमुख हैं। इन इलाकों में वर्ष 2022 से

2024 तक कुल 29 बादल फटने की घटनाएं दर्ज की गईं। यह संख्या दर्शाती है कि अब पर्वतीय गांवों और कस्बों को हमेशा उच्च जोखिम की स्थिति में रहना पड़ेगा। यह सब उस समय हो रहा है, जब राज्य की आर्थिक स्थिति लगातार संकटग्रस्त होती जा रही है। वर्ष 2025 की पहली तिमाही तक हिमाचल प्रदेश पर कुल ऋण 1.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच चुका है। केवल ब्याज चुकाने में ही प्रति वर्ष लगभग 9000 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं।

ऐसे में आपदा नियंत्रण के लिए अलग से मजबूत और लचीला कोष बनाना एक बड़ी चुनौती है। फिर भी प्रश्न यह है- क्या हर संकट के समय केवल संसाधनों की कमी को ही दोष देना उचित है? इसका उत्तर स्पष्ट है- नहीं। सीमित साधनों में भी बेहतर योजना, पूर्व तैयारी, जन सहयोग और तकनीकी उपयोग के माध्यम से आपदा के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, गांव स्तर पर चेतावनी प्रणाली की स्थापना, पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल), सामूहिक राहत समूहों का निर्माण, प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों की सुदृढ़ता- ये सब अपेक्षाकृत कम लागत में संभव हैं, परंतु प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण इन पर गंभीर कार्य नहीं हो पाता। जहां तक केंद्र सरकार की सहायता का प्रश्न है, प्रतिवर्ष हिमाचल को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष और प्रधानमंत्री राहत कोष से कुछ धनराशि प्राप्त होती है। 2023 में केंद्र ने हिमाचल को 450 करोड़ रुपए की प्रारंभिक सहायता दी थी, जबकि राज्य ने 1500 करोड़ रुपए की मांग की थी। 2024 में भी तत्काल राहत के रूप में 400 करोड़ रुपए मिले, लेकिन पुनर्निर्माण के लिए कोई पृथक विशेष पैकेज नहीं आया। इससे यह स्पष्ट होता है कि सहायता तो मिलती है, परंतु वह वास्तविक आवश्यकता की तुलना में बहुत कम होती है। हर वर्ष वर्षा ऋतु के साथ ही हिमाचल का खजाना खाली होने लगता है, सडकें टूटती हैं, पुल बहते हैं, विद्यालय और अस्पताल बंद हो जाते हैं और पर्यटन उद्योग को गहरा आघात पहुंचता है। 2023 में आई आपदा के कारण केवल पर्यटन को ही लगभग 2000 करोड़ रुपए की क्षति हुई। बुकिंग में 50 प्रतिशत तक गिरावट आई और हजारों लोगों की आजीविका पर संकट मंडराने लगा। 2024 में भी यह स्थिति दोहराई गई।

अब 2025 में भी मानसून के साथ बुकिंग रद्द होने लगी हैं। ऐसे में राज्य की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर मानसून हर वर्ष एक और घाव बनकर आता है। किन्तु इस निराशाजनक स्थिति के भीतर भी समाधान छिपा हुआ है- यदि तैयारी वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से की जाए। सबसे पहले, संवेदनशील क्षेत्रों की भौगोलिक और भूगर्भीय नक्शे के आधार पर पहचान की जाए, ताकि निर्माण केवल सुरक्षित क्षेत्रों में हों। नगरीय नियोजन में जल निकासी, हरित पट्टियां और जलधाराओं की रक्षा को अनिवार्य किया जाए। पंचायत स्तर पर आपदा नियंत्रण समितियां बनाई जाएं और उन्हें प्रशिक्षण, उपकरण तथा अधिकार दिए जाएं। विद्यालयों में आपदा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए। और सबसे आवश्यक, शासन तंत्र को वर्ष भर सजग रहना होगा, केवल आपदा आने पर नहीं। राज्य सरकार को चाहिए कि वह पर्वतीय राज्यों के लिए विशेष सहायता कोष की मांग केंद्र से करे। यह कोष आपदा प्रबंधन और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पृथक रूप से स्थापित किया जाए। इसके साथ-साथ निर्माण कार्यों में स्थानीय इंजीनियरों की भूमिका, निर्माण कंपनियों की जवाबदेही और सामाजिक निगरानी को भी सशक्त किया जाना चाहिए। बेहतर योजना से नुकसान को कम किया जा सकता है।

डा. सिकंदर बंसल
शिक्षाविद

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष षष्ठी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
क्रोध से बचें। क्रोध के वशीभूत कोई निर्णय मत लीजिएगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सुकामरता के प्रतीक बने हुए हैं। स्वास्थ्य पहले से काफी बेहतर हो चुका है। प्रेम, संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
रौब और रूआब आप में बना हुआ है। जीतना आप मुलायम हैं उतने ही इस समय कठोर हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें। कठोर भाषा के प्रयोग से बचें और जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसा न लगाएं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ब्लड प्रेशर आपका बढ़ सकता है। थोड़ा सा रक्तचाप की अगर ऐसी कोई स्थिति आती है तो चिकित्सकीय सलाह लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सर दर्द। नेत्र पीड़ा। पार्टनरशिप की प्रॉब्लम। ये सब बना रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खराब समाचार की प्राप्ति। यात्रा में कष्ट। आय में उतार-चढ़ाव। मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
यात्रा से बचें। यात्रा में कोई एक्सीडेंटल बात में नहीं कह रहा हूं, लेकिन लाभप्रद नहीं होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। वाहन धीरे चलाएं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आर्शीवाद मिलेगा

सपा प्रभारी के समक्ष

नोएडा विधानसभा से सुभाष भाटी ने की चुनाव लड़ने की दावेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। विधानसभा का चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है सभी दल के लोग प्रत्याशी चयन को लेकर अभी से जुट गए हैं। बताया जाता है कि अभी हाल ही में नोएडा दौरे पर आए समाजवादी पार्टी के प्रभारी के समक्ष सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाष भाटी (सलारपुर) ने नोएडा विधानसभा से चुनाव लड़ने की दावेदारी की।

बताया जाता है कि सुभाष भाटी कई वर्षों से समाजवादी पार्टी में काम कर रहे हैं और वह जिला पंचायत सदस्य भी रह चुके हैं। जनता के बीच में अच्छी छवि एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मधुर व्यवहार को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाले सुभाष भाटी को इस बार समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा सकती है या सुभाष घाटी को समाजवादी पार्टी ने चुनाव लड़ाया तो मुकाबला रोचक होगा। हालांकि अभी किसी को भी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व किसी को भी हरी झंडी नहीं दिया है लेकिन तैयारी से ऐसा लग रहा है कि सुभाष भाटी इस बार नोएडा विधानसभा से सपा पर चुनाव लड़ने वाले हैं।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डा. अरूण वीर सिंह के सेवानिवृत्त होने पर गुलदस्ता देकर धन्यवाद करते समाजसेवी सरदार मंजीत सिंह एवं हरेन्द्र भाटी।

घर से चली गई किशोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव से एक (13 वर्षीय) किशोरी घर से बिना बताए चली गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

छलेरा गांव में किराए पर रहने वाले प्रकाश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी (13 वर्षीय) बेटी 28 जून की शाम को घर से बिना बताए कहीं चली गई। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला रिश्तेदारी में भी पूछने पर उसकी बेटी के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिली पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लापता किशोरी की तलाश की जा रही है।

करंट लगने से नंदी की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव तुस्याना में एनपीसीएल के बिजली के खंबे में करंट के आने से एक बिजार (नन्दी) की मौत हो गई। गांव में कुछ दिन पूर्व एक गाय की भी मौत हो चुकी है। एनपीसीएल की लापरवाही के कारण ये सब हो रहा है। एनपीसीएल के अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही करंट रोकने के लिए अभी तक नहीं की गई है जिससे आए दिन घटना घट रही हैं। बताया जाता है कि वर्षात के मौसम में बिजली के नंगे तार मौत को दावत दे रहे है। कई बार ग्रामीणों ने इसको लेकर शिकायत की लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

भू-माफिया का बड़ा खेल

करोड़ों की जमीन पर काट दी अवैध कालोनी

मुकदमा पंजीकृत, गिरफ्तारी नहीं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कितना भी भूमाफियाओं के खिलाफ कारवाई कर लें लेकिन कुछ ऐसे भू-माफिया हैं जो सरकार को भी चकमा देकर तिलपता एवं आमका गांव में अवैध कालोनी काटने के अभियान को अमली जामा पहना रहे हैं।

बताते चलें कि तिलपता गांव निवासी बलराम भाटी पुत्र रोशन भाटी ने करोड़ों रुपए मूल्य की जमीन पर अवैध रूप से कॉलोनी बसाने का काम कर दिया। अभी हाल ही में अवैध कालोनी पर बुलडोजर लेकर पहुंचे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बलराम भाटी ने मारपीट कर डाली। जिस पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने उक्त भू-माफिया के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करवाया है। लेकिन मुकदमा पंजीकृत होने के बाद भी उक्त भू-माफिया के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऊंची पहुंच एवं पैसे के बल पर वह आज भी खुलेआम घूम रहा है।

सूत्र बताते हैं कि इस गोरख धंधे में स्थानीय पुलिस के साथ-साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कुछ अधिकारी एवं कर्मचारियों की भी मिलीभगत है। काटी गई अवैध कॉलोनी कि यदि जांच की जाए तो इसमें कई बड़े राज खुलकर सामने आ सकते हैं लेकिन यहां पर वही कहावत चरितार्थ हो रही है कि आखिर बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जहां अवैध निर्माणों पर बुल्डोजर चलवा रहे हैं। वहीं उनके मातहत अधिकारी अवैध निर्माण करवाने में व्यस्त हैं।

राष्ट्रपति रास्ते में गाड़ी से उतरी बच्चों को दी चॉकलेट

गोरखपुर (एजेंसी)। महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकापर्ण करने जब राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल पर जा रही थी तब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पैडलेगंज चौराहे के पास रूकी। इसके बाद वह 50 मीटर तक पैदल चली उनके साथ योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। यहां उन्होंने बच्चों से पूछा कि आप कैसे हैं। बच्चों के नाम पूछे और उनको चॉकलेट दी। बच्चों ने राष्ट्रीय ध्वज दिखाकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। स्कूल के बच्चों के साथ उनकी शिक्षिक भी थी।

बीएचईएल कम्पनी की प्रस्तावित हड़ताल स्थगित

नोएडा (चेतना मंच)। क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केंद्रीय) हरिओम गौतम के समक्ष हुई वार्ता के बाद मैसर्स- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) कंपनी पर प्रस्तावित हड़ताल का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। सीटू जिला महासचिव रामसागर ने कहा कि यदि श्रमिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे फिर से हड़ताल/ तालाबंदी करने का निर्णय करेंगे। कल से होने वाली हड़ताल/ तालाबंदी स्थगित कर दी गई है, लेकिन कंपनी के समक्ष चल रहा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

बीएलओ की नियुक्ति व पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में बीएलओ की नियुक्ति एवं पुनरीक्षण अभियान 2025 में लंबित चल रहे फॉर्मों की समीक्षा के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में डीएम कैंप कार्यालय सेक्टर-27 नोएडा के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जनपद से संबंधित सामान्य सूचनाएं, मतदान केंद्रों, मतदेय स्थलों, बीएलओ/सुपरवाइजर का विवरण, विधानसभावार मतदाता आंकड़े, जेंडर रेशियो, ईपी रेशियो, 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग, 85 वर्ष से अधिक एवं दिव्यांग मतदाताओं के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार बूथों पर बीएलओ की नियुक्ति कर दी गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदान केंद्रों और मतदेय स्थलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्रों को विभाजित कर प्राथमिकता से कार्य पूर्ण किया जाए। बूथ लेवल अधिकारियों की नियुक्ति, प्रशिक्षण और कार्यप्रदर्शन की प्रगति पर निरंतर निगरानी रखी जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि बीएलओ के रूप में केवल योग्य और सक्रिय कार्मिकों को ही दायित्व सौंपा जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन हेतु प्राप्त आवेदनों की प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने लंबित फॉर्म संख्या 6, 6ए, 7 व 8 की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत जनपद में लंबित फॉर्मों का अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 2025 से निरंतर पुनरीक्षण 2025 तक बनाए गए सभी मतदाता फोटो पहचान पत्रों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि चुनाव संबंधी सभी शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए तथा ह्वत्स्क्क पोर्टल पर शिकायतों की स्थिति नियमित रूप से अपडेट की जाए। साथ ही, जिन क्षेत्रों में नए मतदान केंद्रों की आवश्यकता है, वहां सुविधायुक्त भवनों की पहचान कर अविलंब कार्यवाही प्रारंभ की जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी स्तरों की गतिविधियों पर व्यापक विचार-विमर्श करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए हैं।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का पालन संबंधित अधिकारियों के माध्यम से सुनिश्चित कराया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी दादरी/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चारुल यादव एवं संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीगण व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महिला संसद सत्र आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जीएन कॉलेज नॉलेज पार्क-2 में भाजपा महिला मोर्चा, पश्चिम उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में एक भव्य एवं विचारोत्तेजक मॉक पार्लियामेंट (महिला संसद) सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा आपातकाल जैसी ऐतिहासिक घटनाओं की संवैधानिक व सामाजिक व्याख्या से परिचित कराना रहा। सत्र की शुरुआत गरिमामयी अध्यक्षीय अभिभाषण के साथ हुई, जिसके पश्चात प्रश्नकाल में आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की स्वायत्तता, नागरिक अधिकारों पर प्रतिबंध, तथा मीडिया सेंसरशिप जैसे गंभीर विषयों पर विचारोत्तेजक प्रश्न प्रस्तुत किए गए।

मुख्य बहस 'आपातकाल की संवैधानिक वैधता' विषय पर केंद्रित रही, जिसमें पक्ष और विपक्ष ने ऐतिहासिक तथ्यों, संवैधानिक प्रावधानों एवं नैतिक मूल्यों के आलोक में अपने तर्कों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विपक्ष ने इसे 'संविधान की आत्मा पर सीधा प्रहार' कहा, जबकि सरकार पक्ष ने इसे 'राष्ट्र की अखंडता एवं सुरक्षा की दृष्टि से अपरिहार्य निर्णय' बताया।

सादोपुर में हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा परिषदीय प्राथमिक /उच्च प्राथमिकएवं कंपोजिट विद्यालयों को युग्मन अथवा बन्द करने के निर्देश जारी किए गए थे। जनपद में काफी स्कूलों को बंद करने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पत्र जारी भी किए जा चुके हैं।

उपरोक्त के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में सम्पूर्ण प्रदेश की भांति ही जनपद गौतमबुद्धनगर समस्त विकास खण्डों में ब्लॉक अध्यक्ष की अध्यक्षता में ब्लॉक एवम जिला पदाधिकारियों द्वारा विद्यालय मर्ज होने वाले गांवों के सम्मानित प्रधान ,विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष, अभिभावकों एवं संबंधित विधालय प्रधानाध्यापक एव अध्यापको के साथ विद्यालय युग्मन अथवा बंद होने के सम्बन्ध में कम्पोजिट विधालय सादोपुर में एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विस्तार पूर्वक चर्चा में इस नीति को गरीब वर्ग के बच्चों के विरुद्ध बताया गया बताया गया की इस प्रकार विधालय बंद होने से गरीब बच्चे कभी भी शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाएंगे। विस्तार पूर्वक चर्चा उपरान्त सभी के द्वारा निर्णय लिया गया कि हम अपना विद्यालय बन्द होने के पक्ष में नहीं है। इस सम्बन्ध में हम सभी मुख्यमंत्री सहित सभी को विरोध पत्र द्वारा अवगत करायेंगे। मांडलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी ने बताया कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ इस नीति का विरोध करेगा। जिला अध्यक्ष प्रवीण ने कहा कि यह शासन आदेश गरीब वर्ग के बच्चों एव अध्यापक के लिए पूर्ण रूप से हानि कारक है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं त्रयंबकेश्वर पुत्र श्री प्रबल जी निवासी- कुटिया रोड वार्ड नंबर-21 भाद्रा उर्फ भादरा जिला- हनुमानगढ़ सूवा, राजस्थान, मैंने वर्तमान में संन्यास की दीक्षा ग्रहण कर ली है। इसलिए मैंरा नाम गोपाल शर्मा पुत्र रमेश चंद्र शर्मा से बदलकर त्रयंबकेश्वर पुत्र प्रबल जी हो गया है। इसलिए भविष्य में मुझे त्रयंबकेश्वर पुत्र प्रबल जी के नाम से जाना जाए। और राजस्व अभिलेख में मेरा नाम त्रयबकेश्वर पुत्र प्रबल जी किया जाए।

गंदगी का अम्बार, शिकायत पर कार्यवाही नहीं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बीटा-2 फादर एंगल स्कूल से लेकर डेल्टा-1 लेबर चौक तक बनी ग्रीन बेल्ट की सफाई न होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया जाता है कि सेक्टरवासियों ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की है। सफाई ठेकेदार द्वारा सफाई न करवाने से लोगों को इस बरसात के मौसम में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस विषय को लेकर उद्यान विभाग के सीनियर मैनेजर पी.पी. मिश्रा से भी कई बार शिकायत की गई। लेकिन उन्होंने भी इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। अब स्थिति यह है कि बीटा-2 से लेकर डेल्टा 1 तक गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक पी.पी. मिश्रा से लोग शिकायत करते रहते हैं लेकिन वह कोई तव्वजो नहीं देते।

मुख्यमंत्री का आदेश वरिष्ठ प्रबंधक के लिए कोई मायने नहीं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टरवासियों का आरोप है कि उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक पी.पी. मिश्रा समस्याओं के निदान की बात तो दूर रही वह किसी किशायतकर्ता का टेलीफोन भी उठाना उचित नहीं समझते। यदि कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत करने के लिए पी.पी. मिश्रा को फोन करें तो वह फोन नहीं उठाते। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधिकारियों को हिदायत देते हैं रहते हैं कि वह जन समस्याओं को लेकर 24 घंटे लोगों का फोन उठाएं, लेकिन वरिष्ठ प्रबंधक पी.पी. मिश्रा मुख्यमंत्री के आदेशों को भी मानने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री का आदेश वरिष्ठ प्रबंधक के लिए कोई मायने नहीं रखता।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

फायरफाइटर्स पर स्नाइपर ने किया हमला, दो की मौत

वाशिंगटन। कूटेनें काउंटी के कनफील्ड माउंटेन पर जब दमकलकर्मी एक जंगल में लगी आग बुझाने पहुंचे, तभी उन पर घात लगाए स्नाइपर ने हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम दो फायर ब्रिगेड कर्मियों की जान चली गई। घटना स्थानीय समय के मुताबिक रविवार करीब दोपहर 1:30 बजे की है, जब कनफील्ड माउंटेन पर आग लगने की सूचना मिली थी। लेकिन आग बुझाने पहुंचे कर्मियों पर आधे घंटे बाद ही गोलियों की बौछार शुरू हो गई। अमेरिका के उत्तरी इडाहो राज्य की यह घटना कल्पना कल्पना से परे है। शेरिफ बॉब नॉरिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि फिलहाल स्नाइपर पहाड़ी इलाके में कहीं छिपा है और उसके पास हाई-पावर राइफल है। उन्होंने कहा, ह्यहमारे डिप्टी उस पर जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन वह सरेंडर के कोई संकेत नहीं दे रहा। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक यह साफ नहीं है कि कितने हमलावर हैं और पहाड़ पर कितने लोग फंसे हैं।

कपड़ा व्यापारी ने पत्नी और बेटी सहित की आत्महत्या

लखनऊ। यूपी के लखनऊ में एक कपड़ा व्यापारी के घर में तीन लोगों की लाशें मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों में पति-पत्नी सहित नाबालिग बेटी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कपड़ा व्यापारी शोभित रस्तोगी, पत्नी सुचिता और उनकी 16 साल की बेटी ख्याति रस्तोगी ने जहर खाकर सुसाइड किया। घर से मिले सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी और भारी लोन का जिक्र है। घटना अशरफाबाद इलाके में हुई। यहां स्थित एक फ्लैट से तीनों की लाश मिली हैं। जानकारी के मुताबिक शोभित की कपड़े की दुकान राजाजीपुरम में थी और वह एक बड़े व्यापारी थे। हालांकि, आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव ने उन्हें इस हद तक मजबूर कर दिया कि उन्होंने परिवार सहित यह खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस को शोभित के भाई शेखर रस्तोगी ने सुबह सूचना दी कि उनका भाई शोभित, भाभी सुचिता और भतीजी ख्याति अपने फ्लैट में बेहोश पड़े हैं। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तीनों को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित किया।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, हुई मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र में रोड क्रॉस कर रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि साइन होटल के सामने पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति सड़क क्रॉस कर रहा था इस दौरान लाल कुआं की तरफ से आ रहे वाहन ने उसे टक्कर मार दी टक्कर लगने से घायल हुए युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक का नाम संजीव कुमार पुत्र सरदार सिंह पता चला संजीव कुमार हाल में थाना क्षेत्र के सहारा एनक्लेव में रह रहा था वह मूल रूप से ग्राम कारोलिया थाना मूसाधार जनपद बदायूं का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 13 मजदूरों की मौत

- कई श्रमिक अब भी फंसे होने की आशंका
- हादसे के बाद फैक्ट्री के आस-पास दहशत

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के निकट संगारेड्डी के पशमिलाराम इंडस्ट्रियल एस्टेट में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से कम से कम 13 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा सिगाची फार्मा कंपनी में उस समय हुआ जब फैक्ट्री के रिएक्टर में तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट के साथ ही तेज आग फैल गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई मजदूर जान बचाने के लिए भागते नजर आए। हादसा जिले के पाशमिलारम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में सुबह लगभग 7 बजे हुआ। घटना पर तेलंगाना फायर डिपार्टमेंट ने बताया, कि मौके पर 11 दमकल गाड़ियां और कई एंबुलेंस तैनात की गई हैं। अब तक 14 घायलों को फैक्ट्री से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में जहां 13 मजदूरों की मौत हो गई, जिसकी फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है वहीं करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है। कुछ श्रमिकों के अंदर फंसे होने की आशंका बनी हुई है। पुलिस और फायर अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घटना का कारण रिएक्टर विस्फोट ही प्रतीत होता है। सीनियर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद से पशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा उपायों की कमी और औद्योगिक लापरवाही को लेकर चिंता जाहिर की है। यह हादसा चेरलापल्ली में दो महीने पहले हुए तेल टैंकर में आग की घटना के बाद सामने आया है। लगातार हो रही ऐसी घटनाएं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी हिमाचल के 4 जिलों में रेड अलर्ट

एजेंसी

शिमला। हिमाचल में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के कुछ जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी को देखकर संबंधित जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट को ध्यान में रखकर अपने-अपने जिलों में सभी स्कूलों को बंद करने के आदेश तुरंत जारी करें। यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर लिया गया है। धारचूला में बारिश आफत बन चुकी है। आदि कैलाश यात्रा का मार्ग फिर से बंद कर दिया गया है। आदि कैलाश यात्रा मार्ग दोबाट में चट्टान दरकने से बंद हुआ है। कार्यदाई संस्था सड़क खोलने में जुटी है। हालांकि, सड़क खोलने में समय लग सकता है। देर रात से धारचूला में मूसलाधार बारिश हो रही है। इस वजह से गीली मिट्टी में भूस्खलन ज्यादा हो रहा है। रुद्रप्रयाग जिले में रविवार देर रात से मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में रोका गया है। केदारनाथ हाईवे पर जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है। हाईवे के विजयनगर में ऊपरी पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरा। इससे चार से पांच वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। बदरीनाथ हाईवे भी देर रात से सिरोबगड़ में बंद है। राजमार्ग के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंसे हैं।

चंद्रशेखर के हाउस अरेस्ट के बाद भड़की हिंसा, दर्जनों वाहन फूंके

- 17 कार्यकर्ता हिरासत में, 42 बाइकें सीज

एजेंसी

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद को प्रयागराज में हाउस अरेस्ट कर लिया गया। वे कौशांबी और करछना में हाल ही में हुई घटनाओं के पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के मद्देनजर उन्हें सर्किट हाउस से बाहर निकलने से रोक दिया। इसके विरोध में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ सर्किट हाउस परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। इसी बीच शहर में हिंसा भड़क गई। चंद्रशेखर रविवार को हाउस अरेस्ट हुए, जिसकी खबर तेजी से शहर में फैलते ही करछना इलाके में करीब 5,000 समर्थकों की भीड़ ने सड़क पर जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की 8 गाड़ियों और 7 निजी वाहनों में तोड़फोड़ की, बसों पर पथराव किया और भड़ेवरा बाजार में ईंट-पत्थरों की बरसात कर दी गई। हिंसा के दौरान 15 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बाजार के स्थानीय दुकानदारों ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों ने सवर्ण समुदाय की दुकानों को निशाना बना कर तोड़फोड़ की। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद नैनी, करछना, घूरपुर, बारा, मुट्ठीगंज, औद्योगिक क्षेत्र समेत कई थानों की फोर्स, पीएसी और आरएएफ मौके पर भेजी गई। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया गया। पुलिस ने अब तक भीम आर्मी के 17 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। मौके से 42 लावारिस बाइकें बरामद हुई हैं, जिन्हें पुलिस ने थाने में सीज कर दिया है। माना जा रहा है कि हिंसा में शामिल लोग पुलिस कार्रवाई के दौरान अपनी बाइकें छोड़कर भाग खड़े हुए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और उपद्रवियों की वीडियो फुटेज और सीसीटीवी के आधार पर पहचान की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की तैयारी और सूचना तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

अन्नामाया। आंध्र प्रदेश के अन्नामाया जिला स्थित कुरबल कोटा में सोमवार सुबह एक लॉरी और मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हुई और 11 अन्य लोग घायल हुए है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हादसे में मारे गए लोग 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे जो एक मिनी ट्रक में तिरुमाला से बगपल्ली लौट रहे थे, तभी गलत दिशा से आ रही लॉरी (कंटेनर ट्रक) कदिरी-मदनपल्ली राजमार्ग पर मिनी ट्रक से टकरा गई। वे तड़के तीन बजे से साढ़े तीन बजे के बीच तिरुमाला से रवाना हुए थे। मिनी ट्रक सही दिशा में जा रहा था लेकिन गलत दिशा से आ रही लॉरी (कंटेनर ट्रक) ने मिनी ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य को मामूली चोटें आईं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया।

फिलाडेल्फिया में धमाके से 5 मकान ढहे, एक की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में रविवार को धमाके से इलाके के कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में एक शख्स की मौत की खबर भी सामने आ रही है। वहीं, दो लोग घायल भी हो गए हैं जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी दी। दरअसल, धमाके की ये पूरी घटना अमेरिका के फिलाडेल्फिया के उत्तरी भाग में रविवार तड़के हुई। जानकारी के मुताबिक सुबह 5 बजे के करीब धमाके की जानकारी मिली। इसके बाद फायर डिपार्टमेंट के कर्मी मौके पर पहुंचे और राहत अभियान चलाया। फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी ने बताया है कि धमाके कारण यहां पर करीब पांच घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। घटना में एक शख्स की मौत हो गई है। धमाके के बाद बचाए गए 2 लोगों को अस्पतला में भर्ती कराया है। इनमें से एक की हालत स्थिर और दूसरे की गंभीर है। अधिकारियों ने अब तक धमाके के कारण के बारे में खुलासा नहीं किया है।

ईरान में तबाही मचाने वाला यूएस का बंकर बस्टर अब खुद ही संकट में

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका का दावा है कि ईरान के न्यूक्लियर बंकर अब मिट्टी में? मिल गए हैं। अमेरिकी सैन्य शक्ति ने फिर दुनिया को दिखा दिया कि वो क्या कर सकती है। डोनाल?ड ट्रंप से लेकर व्हाइट हाउस का हर एक शख?स आजकल यही बात कर रहा। लेकिन हकीकत यही है? 13000 केजी का वो बम जो माउंट एवरेस्ट के वजन जैसा लगता है। जिसे बम की दुनिया में दै?य का दर्जा मिला हुआ, जो धरती के कई सौ फीट नीचे तक जाकर कंक्रीट और स्टील से बने दुश्मन के बंकरों को फाड़ डालने के लिए बनाया गया था, उसके ईरान में अटैक पर इतने सवाल क्यों उठ रहे हैं? रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी एयरफोर्स अब चाहती है कि सुपर-हैवी बंकर बस्टर बम को ही रिटायर कर दिया जाए। इसकी जगह अब नेक?स्?ट जेनरेशन पेनेट्रेटर लेकर आएं। यह 22000 पाउंड यानी तकरीबन 10000 किलो का होगा। रॉकेट बूस्ट के साथ यह आएगा। स्टैंड-ऑफ यानी दूरी से ही टारगेट मार सकेगी, जिससे पायलट खतरे में न पड़े। यानी पुराने बम के मुकाबले यह हल्का, स्मार्ट और ज्यादा सुरक्षित होगा। यही सवाल अब उठ रहा है कि अगर जीबीयू-57 इतना गेम चेंजिंग था तो तो उसे तुरंत क्यों बदलने की जरूरत पड़ गई? क्या ट्रंप टीम जो दावा कर रही है, वो महज प्रचार पाने का एक तरीका था? यह कहानी सिर्फ बमों की नहीं है, पूरी रणनीति की है।

आगरा एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

आगरा। रविवार देर रात आगरा एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई जब एयरपोर्ट प्रशासन को धमकी भरा ईमेल मिला। ईमेल में दावा किया था कि एयरपोर्ट परिसर में एक बैकपैक में बम रखा है, जिससे बड़ा धमाका हो सकता है। धमकी भरा ईमेल रोड किल और क्योंकिल नाम के ईमेल पते से भेजा गया था। ईमेल में लिखा था कि एयरपोर्ट के अंदर एक बैग में बम रखा है। जैसे ही यह ईमेल मिला, एयरपोर्ट प्रशासन, सीआईएसएफ, बम निरोधक दस्ते और पुलिस सक्रिय हो गईं और पूरे एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने एयरपोर्ट का कोना-कोना छान मारा।

जेनेटिक परिवर्तन और बीमारी के बीच गहरा संबंधः शोध

एजेंसी

वैलिंग्टन। वैज्ञानिकों ने बच्चों में मस्तिष्क के विकास से जुड़े एक दुर्लभ विकार की नई आनुवंशिक (जेनेटिक) वजह की पहचान की है। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय शोध में शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि सीआरएनकेएल1 नामक जीन में हुए खास बदलाव के कारण बच्चों में गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इनमें माइक्रोसेफली (सिर का सामान्य से छोटा आकार), ब्रेन स्टैम और सेरेबेलम का अविकसित रह जाना (पोंटोसेरेबेलर हाइपोप्लासिया), दौरे और गहरी बौद्धिक अक्षमता शामिल हैं। यह डिसऑर्डर बच्चों को जन्म से पहले और बाद में समान रूप से प्रभावित कर सकता है। शोध की मुख्य लेखिका डॉ. संकालिता रे दास ने कहा कि यह खोज न सिर्फ इस दुर्लभ रोग की स्पष्ट वजह बताती है, बल्कि यह भी समझने में मदद करती है कि मानव जीन मस्तिष्क के विकास को कैसे संचालित करते हैं। इस शोध को न्यूजीलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ ओटागो के नेतृत्व में किया गया। इस शोध से मस्तिष्क के निर्माण और उसकी कार्यप्रणाली से जुड़ी जटिल जैविक प्रक्रिया को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। शोध में शामिल बायोकेमिस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर लुईस बिकनेल ने बताया कि मानव शरीर डीएनए से आवश्यक निर्देशों को ह्यस्प्लिसिंगह्ल नामक प्रक्रिया के जरिए पढ़ता और प्रोसेस करता है। यह प्रक्रिया हमारे शरीर में जरूरी प्रोटीन बनाने के लिए जिम्मेदार होती है। यदि इसमें गड़बड़ी हो जाए तो गंभीर जेनेटिक बीमारियां हो सकती हैं। सीआरएनकेएल1 जीन में पाई गई गड़बड़ी भी ऐसी ही एक गड़बड़ी है, जो सीधे मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करती है। इस शोध में 10 परिवारों का अध्ययन किया गया। इनमें से नौ मामलों में सीआरएनकेएल1 जीन के एक ही स्थान पर बदलाव मिला। सभी बच्चों में लक्षण लगभग समान थे, जिससे यह साबित होता है कि यह जेनेटिक परिवर्तन और बीमारी के बीच गहरा संबंध है।

थाईलैंड की पीएम शिनावात्रा के खिलाफ हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड की पीएम पेतोंगटार्न शिनावात्रा और कंबोडिया के पूर्व पीएम हुन सेन के बीच हुई फोन कॉल लीक होने के बाद देश में राजनीतिक बवाल मचा है। बैंकॉक की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी उतर आए और पीएम के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। लीक हुई इस कॉल में थाई पीएम शिनावात्रा ने हुन सेन को अंकल कहकर संबोधित किया और थाई सैन्य कमांडर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ कूल दिखने के लिए ऐसे बयान दिए जो किसी काम के नहीं थे। इस बयान से जनता भड़क उठी और शिनावात्रा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी पार्टी ने भी समर्थन वापस ले लिया है। पीएम ने इस पर सफाई दी और माफी भी मांगी। बाढ़ प्रभावित उत्तरी थाईलैंड के दौरे पर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि लोगों का शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना अधिकार है। प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ बैंकॉक के विक्टरी मॉन्यूमेंट वॉर मेमोरियल के पास इकट्ठा हुई है, जहां वे झंडे लहराते और पीएम देश की दुश्मन हैं जैसे नारे लिखे पोस्टर हाथ में लिए नजर आए। भीड़ ने मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शन जारी रखा। यह 2023 में फ्यू थाई पार्टी की सत्ता में वापसी के बाद सबसे बड़ा प्रदर्शन है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पार्नथेप पूरपोंगपान ने कहा कि पीएम को इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि समस्या की जड़ वही हैं। उन्होंने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यपालिका और संसद लोकतंत्र और संवैधानिक राजतंत्र के हित में काम नहीं कर रही हैं।

साबरमती एक्सप्रेस का गोटन स्टेशन पर ठहराव

जोधपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा साबरमती-जम्मूतवी-साबरमती प्रतिदिन रेलसेवा का गोटन स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर आगामी आदेशों तक ठहराव दिया जा रहा है। डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि गाड़ी संख्या 19223 साबरमती-जम्मूतवी प्रतिदिन रेलसेवा चार जुलाई से गोटन स्टेशन पर 20.10 बजे आगमन एवं 20.12 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19224 जम्मूतवी-साबरमती प्रतिदिन रेलसेवा पांच जुलाई से गोटन स्टेशन पर 03.23 बजे आगमन एवं 03.25 बजे प्रस्थान करेगी।

झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति : संजय राउत

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा तीन-भाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के झूठे दावा करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। सांसद राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देकर कहा कि अगर ठाकरे ने माशेलकर समिति की रिपोर्ट पेश की थी, तब उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। ठाकरे गुट के नेता राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। ये लोग महाराष्ट्र में इसी नीति के तहत काम कर रहे हैं। अगर उद्धव ठाकरे ने माशेलकर समिति पर कोई रिपोर्ट पेश की है, तब उस रिपोर्ट को फडणवीस सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। एक समिति की रिपोर्ट जारी की गई है और कैबिनेट में रखी गई है। क्या इस पर चर्चा नहीं हो सकती? आपने कैबिनेट के साथ जबरदस्ती हिंदी पर चर्चा की, आपने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह एक राष्ट्रीय नीति है। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं, क्या उन्हें इतना भी ज्ञान नहीं है? इसके पहले 29 जून को, विपक्ष की भारी आलोचना का सामना करने और राज्य के लोगों पर हिंदू भाषा थोपने के आरोप के बाद महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो आदेशों को रद्द किया था। महाराष्ट्र सरकार के एक प्रेस नोट के अनुसार, 24 जून को मुख्यमंत्री फड़णवीस ने तीन-भाषा फॉर्मूले पर घोषणा कर आरोप लगाया था कि यह पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे थे जिन्होंने कक्षा 1 से 12 तक तीन-भाषा नीति शुरू करने के लिए डॉ रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था और इसके कार्यान्वयन के लिए एक पैनल भी गठित किया था।

पृष्ठ एक के शेष....

बिल्डिंग मैटेरियल सप्लाई...

विश्वास पात्र मानते हुए कंपनी की ईमेल का पासवर्ड व अन्य गोपनीय जानकारियां दी हुई थी। इसका नाजायज फायदा उठाते हुए अभय सिंह ने फर्जीवाड़ा व कूट रचना करते हुए फर्म के संबंधित बैंक को ईमेल भेजकर धनराशि प्राप्त करता रहा। इसके अलावा गाड़ियों के पार्ट्स खरीदने तथा उन्हें रिपेयर करने में भी फर्जीवाड़ा करने लगा।

रमनदीप सिंह शेट्टी के मुताबिक उन्होंने जब जांच कराई तो पता चला कि अभय सिंह ने अपनी पत्नी सुरभि राव व अपने एक मित्र अमित सिंह के साथ मिलकर उन्हें लाखों रुपए का चूना लगा दिया है। उन्होंने इस बारे में जब अभय सिंह से बात की तो उसने अपनी गलती स्वीकार करते हुए एक अप्रैल 2024 को 100000 आईएमपीएस के माध्यम से लौटा दिए और अन्य बकाया रुपए जल्द देने को कहा। रमनदीप सिंह सेठी के मुताबिक बाद में उन्होंने जब गबन की गई धनराशि मांगी तो तीनों आरोपियों ने उसके साथ गली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी लेकिन पुलिस में कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल कर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने थाना बीटा-2 पुलिस को आरोपी अकाउंटेंट अभय सिंह उसकी पत्नी सुरभि राव व अमित सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने का आदेश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है

हिमाचल के मंडी में ...

मंडी, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में बीते 24 घंटे में तीन लोगों की मौत हुई है। इस मानसून सीज़न में हिमाचल प्रदेश में अब तक 20 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बारिश के कारण अबतक हिमाचल प्रदेश में 800 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

जिला भर में भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। सबसे गंभीर स्थिति कीरतपुर मनाली फोरलेन की है, जो पंडोह से टकोली सेक्शन के बीच तीन अलग-अलग स्थानों पर भूस्खलन के कारण पूरी तरह बंद हो गया है।

इन स्थानों पर मलबा गिरने का सिलसिला अभी भी जारी है, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप है। लारजी पावर हाउस के समीप स्थित पंडोह-टकोली सेक्शन के 840 मीटर लंबे एलिवेटेड ब्रिज को भी नुकसान पहुंचा है। भारी चट्टान के ब्रिज पर गिरने से डेक स्लैब को लगभग 15 सेंटीमीटर नदी की ओर खिसका दिया है, जिससे पूरी संरचना अस्थिर हो गई है।

भारी बारिश के थमने के बाद ही मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। वहीं, लोक निर्माण विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मंडी जिले की कुल 261 सड़कें बंद हो गई हैं। सबसे अधिक सड़कें धर्मपुर मंडल (60), सरकाघाट (36), थलौट (34), करसोग (32), और सराज में 32 बाधित हुई हैं।

इसके अतिरिक्त सुंदरनगर, गोहर, मंडी द्वितीय,जोगेंद्रनगर, पद्धर और नेरचौक मंडल में भी कई मार्ग अवरुद्ध हैं। सिर्फ सड़कें ही नहीं, बिजली आपूर्ति व्यवस्था भी चरमरा गई है। जिला में कुल 1708 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। गोहर मंडल में सबसे अधिक 604 ट्रांसफार्मर, करसोग में 365, मंडी में 355, धर्मपुर में 304, जोगेंद्रनगर में 14, सरकाघाट में 42 और सुंदरनगर में 24 ट्रांसफर्मर ठप हैं।

खतरनाक स्टंट करने...

पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। बीते दिनों सोशल मीडिया पर तीन युवकों द्वारा खतरनाक तरीके से स्टंट की वीडियो वायरल होने हुई थी। वायरल वीडियो में तीन कारों में सवार युवक खतरनाक तरीके से स्टंट करते हुए दिख रहे थे। वीडियो वायरल होने पर गौतमबुद्धनगर कमिश्नर पुलिस हरकत में आ गई और जांच पड़ताल शुरू कर दी। प्रारंभिक जान से पता चला कि स्टंटबाजी का यह मामला थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र का है इसके बाद पुलिस ने स्टंटबाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने स्टंट करने वाले उदय प्रताप सिंह पुत्र लोकेश सिंह, शिवम पटेल पुत्र जगदानंद पटेल व प्रिंस भारद्वाज पुत्र महेश भारद्वाज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने स्टंट में शामिल तीन कार को भी धारा-207 एमबी एक्ट में सीज किया है। वहीं यातायात पुलिस ने भी वाहनों पर भारी जुर्माना लगाने की कार्रवाई की है।

'बेटे का एक्सीडेंट...

हो गया कुछ देर बाद उन्होंने अपनी मां से संपर्क किया तो इस घटना का पता चला। थाना फेस 1 प्रभारी ने बताया कि इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है इस मामले में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खास खबर

पाक टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बने अजहर महमूद

लाहौर । पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनाये गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर के नाम की घोषणा कर दी है पर कहा है कि वह वह शुरूआत में कार्यवाहक मुख्य कोच रहेंगे। अजहर पिछले काफी समय से पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी और असिस्टेंट कोच रहे हैं। वह अपने मौजूदा अनुबंध के समाप्त होने तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले दो साल में पीसीबी ने कई मुख्य कोच बदले हैं, ऐसे में महमूद कब तक टिक पायेंगे ये देखना होगा। पीसीबी को भरोसा है कि अजहर कोच को खिलाड़ी और कोच के रूप में काफी अनुभव है, इसलिए वह इस भूमिका में सफल रहेंगे। पीसीबी ने कहा, एक अनुभवी क्रिकेट खिलाड़ी अजहर अब कोच के तौर पर आ रहे हैं। टीम के सहायक कोच के रूप में लंबे समय से रहने के कारण वह टीम के रणनीतिक कोर समूह का एक अहम हिस्सा रहे हैं। खेल के बारे में उनकी जानकारी काफी अच्छी है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ हीइंग्लिश काउंटी सर्किट में मिली सफलता उन्हें इस पद के लिए सबसे अधिक उपयुक्त बनाती है।

ब्रायन बेनेट चोट के कारण हुए बाहर

बुलावायो । जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट चोटिल होने के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर हो गये हैं। बेनेट ने इस मैच में 19 रन बनाए थे। बेनेट मैच के छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास कर रहे थे पर गेंद उनके हेलमेट पर जा लगी। इससे अब टेस्ट में आगे नहीं खेल पायेंगे। उनकी जगह प्रिंस मास्वारे को टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही प्रिंस टेस्ट क्रिकेट में अपना 10वां मुकाबला खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच की पहली पारी में 90 ओवर में 9 विकेट पर 418 बरन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद घोषित जिम्बाब्वे की शुरूआत खराब रही और उसके बल्लेबाज अताकुदजवानाशे कैटानो खाता भी नहीं खोल पाये जबकि निक वेल्च 4 रन ही बना पाये। को जल्दी ही खो दिया। बेनेट के आउट होने के बाद अनुभवी बल्लेबाज सीन विलियम्स ने 45 और क्रेग एर्विन 24 ने पारी।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुमार्ना लगाया है। इस प्रकार इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को दोहरा झटका लगा है। इस मैच में उसे भारतीय टीम ने 97 रनों से हराया था। वहीं अब उसपर मैच फीस का 10 फीसदी जुमार्ना लगा है। आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड की टीम तय समय में पूरे 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी हेलेन पैक ने इंग्लैंड टीम पर यह जुमार्ना लगाया गया है। आईसीसी ने इसी को लेकर कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर-रेट संबंधी नियम के तहत ही खिलाड़ियों पर तय समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुमार्ना लगाया जाता है।

बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया

शुरूआती झटकों से उबरने की कोशिश में फ्लेमेंगो असफल

एजेंसी

मियामी। हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्जका ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ। फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं। इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगा। पीएसजी ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था। मैच की शुरूआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा। हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी। आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया। गोरेट्जका ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी। हाफ टाइम से पहले पुलगार का हैरी केन पर खतरनाक टैकल लगभग झगड़े में बदल गया, हालांकि उन्हें सिर्फ पीला कार्ड दिखाया गया। दूसरे हाफ में फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की और मिडफील्ड में नियंत्रण हासिल किया। 55वें मिनट में माइकल ओलिस के हैंडबॉल पर फ्लेमेंगो को पेनल्टी मिली, जिसे जोर्जिन्हो ने गोल में बदला और स्कोर 3-2 कर दिया। लेकिन बायर्न ने एक बार फिर बढ़त कायम कर ली। केन ने फ्लेमेंगो की मिडफील्ड में की गई गलती का फायदा उठाकर किमिच के पास पर चौथा गोल दाग दिया और स्कोर 4-2 कर दिया। अंत में बायर्न की अनुभव और मौके भुनाने की क्षमता फ्लेमेंगो पर भारी पड़ी, और जर्मन क्लब ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

डब्लयूटीसी अब अहमदाबाद में होना चाहिये : शास्त्री

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 (डब्लयूटीसी) फाइनल भारत के अहमदाबाद में होना चाहिये। शास्त्री के अनुसार इस महत्वपूर्ण टूनार्मेंट के लिए इंग्लैंड एक आदर्श स्थल है पर मेरा मानना है कि अब जब ये विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो गया है तो इसका आयोजन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्टेडियमों में भी किया जा सकता है। शास्त्री के अुनसार इंग्लैंड ने तीन बार इस टूनार्मेंट के फाइनल की मेजबानी कर ली है। पहला डब्लयूटीसी फाइनल साउथेम्प्टन के रोज बाउल में आयोजित किया गया था, जिसमें न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था। इसके बाद के दूसरा फाइनल ओवल में हुआ जहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर चैंपियन बना। वहीं तीसरा फाइनल लॉड्र्स के मैदान पर हुआ जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराया। शास्त्री ने कहा, ह्लमुझे लगता है कि शुरूआत में इसका लॉड्र्स में आयोजन अच्छा है पर लोकप्रियता और प्रशंसा मिलने के बाद इसे अन्य जगहों पर भी आयोजित किया जा सकता है। मुझे लगता है कि इसके फाइनल के लिए अहमदाबाद स्टेडियम भी अच्छा रहेगा। उन्होंने साथ ही कहा, मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ खींच सकते हैं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अच्छी है लॉड्र्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेंगे अविनाश साबले

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट अविनाश साबले अब पूरी तरह से फिट हैं और उनकी निगाहें सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित आगामी प्रतियोगिताओं में स्टीपलचेज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेलों के स्टीपलचेज चैंपियन साबले अभी ऊटी में अभ्यास कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के केंद्र में अभ्यास करने में लगे हैं। साबले ने कहा कि मेरे लिए पिछला साल कुछ खास नहीं रहा पर इस इस साल मैं डायमंड लीग में भाग ले रहा हूं। जिसके लिए मेरी तैयारी अच्छी है। मेरा लक्ष्य अपना इससे अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करना है। अभी अभ्यास के 15 दिन बचे हुए हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं आठ मिनट के अपने सर्वश्रेष्ठ समय के करीब पहुंच जाउंगा। साबले साल 2023 में एशियाई खेलों के बाद से ही पिंडली की चोट से परेशान रहे हैं। उन्होंने 2025 के अपने सत्र की शुरूआत जियामेन डायमंड लीग में आठ मिनट 22.59 सेकंड के समय के साथ की और इसके बाद शाओक्सिंग में 8:23.85 सेकंड का समय निकाला। साबले ने मई में साउथ कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में 8:20.92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता था। साबले ने कहा कि इस बार मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। मैं सत्र की शुरूआत में चोटिल हो गया था पर इसके बाद भी मैंने चीन में दो डायमंड लीग स्पधाओं में हिस्सा लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 216 रन की बढ़त हासिल की

एजेंसी

बुलावायो । शॉन विलियम्स के शतक के बाद भी मेजबान जिम्बाब्वे की टीम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार का खतरा बना हुआ है। जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 251 ही बना पायी जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 418 रनों पर ही घोषित कर दी थी। मैच के दूसरे दिन स्टंप्स तक दक्षिण अफ्रीका की बढ़त 216 रन हो गयी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 49 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज टोनी डी जोरजी 22 और वियान मुल्डर 25 रनों पर खेल रहे थे। जिम्बाब्वे की ओर से शॉन ने 137 रन बनाये। उन्हें दूसरे छोर से कप्तान क्रेग इरविन 36 के अलावा किसी और बल्लेबाज टिक नहीं पाया। विलियम्स ने 164 गेंद में 16 चौके लगाये। अंत में दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज ने 70 रन पर तीन विकेट लेकर मेजबान टीम की पारी समेट दी।

25वां ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करना चाहते हैं जोकोविच

एजेंसी

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें इस बार विंबलडन जीतकर रिकार्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करना है। 38 साल के जोकोविच के बारे में कहा जा रहा है कि वह अपना अंतिम विंबलडन खेल रहे हैं इसलिए भी ये टूनार्मेंट उनके लिए अहम है। वहीं जोकोविच ने कहा, ह्य कि ये उनका अंतिम ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट होगा या नहीं अभी इस बारे मे नहीं कहा जा सकता है। साथ ही कहा कि मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट में भाग लूंगा या नहीं, ये भी तय नहीं है। उन्होंने कहा, ह्यमेरी इच्छा अभी कई और साल तक अभी खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना चाहता हूं और यही मेरा लक्ष्य है पर आगे क्या होगा ये नहीं कहा जा सकता है। जोकोविच अपने अभियान की शुरूआत मंगलवार को एलेक्जेंडर मुलर के साथ मुकाबले से करेंगे। जोकोविच ने यह माना है कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और एकल खिताब जीतने का अच्छा अवसर दे सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकते हैं। गौरतब है कि यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है।

डब्ल्यूडब्लयूई के शो में बिजली जाने से आई बाधा

रियाद । पहली बार सऊदी अरब में हो रहे डब्ल्यूडब्लयूई के स्मैकडाउन शो के दौरान बिजली गुल होने से बाधा आई है। इससे नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीमिंग भी रुक गयी। शो में तब कोडी रोड्स और रैंडी ऑर्टन का प्रोमो चल रहा था। डब्ल्यूडब्लयूई ने इस परेशानी के लिए दर्शकों से माफी मांगी हालांकि कुछ देर में बिजली बहाल होने से शो फिर शुरू हुआ। बिजली जाने के कारण शो शुरू होने के 10 मिनट बाद ही नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीमिंग भी बंद हो गयी। तब कोडी रोड्स और रैंडी ऑर्टन रिंग में प्रोमो करने जा रहे थे। दोनों रेसलर रिंग में आ चुके थे और प्रशंसक उनका उत्साह बढ़ा रहे थे। ऑर्टन ने बोलना शुरू ही किया था कि स्ट्रीमिंग रुक गयी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, परशानी नेटफ्लिक्स के कारण नहीं, बल्कि रियाद में बिजली जाने से आई थी।

यूएस ओपन : आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब

▸ तन्वी शर्मा ने रचा इतिहास, बनीं सबसे युवा फाइनलिस्ट

एजेंसी

काउंसिल ब्लफ्स (आयोवा)। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया। 20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया। पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था। आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा। उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया। दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी। सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ। पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं महिला एकल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, हालांकि वह खिताब जीतने से चूक गईं। फाइनल में उनका सामना अमेरिका की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर 21 बेइवेन झांग से हुआ, जहां उन्हें 21-11, 16-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि तन्वी ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी भी फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज तन्वी ने पहले दौर में दूसरी वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर तहलका मचा दिया। इसके बाद उन्होंने थाईलैंड की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन पिचामोन ओपटनिपुथ को 21-18, 21-16 से हराया।

भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में शामिल हुए स्पिनर हरप्रीत

▸ बीसीसीआई ने जारी किया वीडियो

एजेंसी

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ 2 जुलाई से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार एजबेस्टन में टीम इंडिया के साथ अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम के पास पहले से ही रविन्द्र जडेजा और कुलदीप यादव जैसे स्पिनर हैं, ऐसे में हरप्रीत के यहां पहुंचने से सभी लोग हैरान रह गये। हरप्रीत भारतीय दल और भारत ए में भी शामिल नहीं थे। उसके बाद भी वह भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में दिखे तो सवाल उठना तया था। वहीं भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर हरप्रीत के भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में पहुंचने का एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें हरप्रीत ने कहा है कि वह नये कप्तान शुभमन गिल के कहने पर टीम इंडिया के अभ्यास सत्र में शामिल हुए। बरार ने कहा कि उनकी पत्नी बर्मिंघम के करीब रहती है। जिसके पास वह पहुंचे थे तभी शुभमन ने उन्हें मैसेज कर अभ्यास के लिए बुलाया। बरार के अलावा, चंडीगढ़ के युवा तेज गेंदबाज जगजीत सिंह संधू भी गेस्ट गेंदबाज के रूप में नेट अभ्यास में जुड़े।

पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए टीम अभ्यास में लगी हुई है। इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीम बुमराह को आराम देखकर उनकी जगह अर्शदीप सिंह को अवसर मिल सकता है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर की जगह आकाशदीप सिंह को जगह मिलेगी।

एकदिवसीय विश्वकप हारने के बाद कोच पद छोड़ना चाहते थे द्रविड़ : रोहित शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया है कि 2023 एकदिवसीय विश्वकप में मिली हार से कोच राहुल द्रविड़ भी बेहद निराश थे और उन्होंने कोच पद छोड़ने की पेशकश की थी। रोहित के अनुसार तब मैंने उन्हें कोच बने रहने को मनाया था और कहा था कि छह माह बाद टी20 विश्पकप है जिसमें हम एक बार फिर आईसीसी खिताब जीतने का प्रयास कर सकते हैं। उसके बाद द्रविड़ टी20 विश्वकप तक कोच रहे थे। रोहित ने कहा, द्रविड़ 2023 विश्व कप के बाद पद छोड़ना चाहते थे पर हमने कहा, छह महीने में एक और वर्ल्ड कप है। हम इतनी दूर आ गए हैं। चलो एक और अवसर लेते हैं। वह इसके बाद कोच बने रहने तैयार हो गये, मुझे बहुत खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया। अब उन्हें लगता है कि उन्होंने तब सही फैसला लिया थास। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, यह भावनात्मक भी था। एक क्रिकेटर के रूप में मेरी पहचान इस प्रारूप से शुरू हुई- 2007 टी20 विश्व कप में। वहीं 17 साल बाद फिर वही ट्राफी उठाना एक शानदार अनुभव था।

उन्होंने साथ ही कहा, बारबाडोस हमेशा मेरी मेरी यादों में रहेगा। यह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे गौरवपूर्ण क्षण था। उस ट्रॉफी को उठाना, आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2024 का चैंपियन बनना। यह अवास्तविक था। मैंने 2007 के पहले टी20 विश्व कप खेला था और हमने महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीत दर्ज की थी। वहीं 2024 में द्रविड़ के मुख्य कोच रहते इससे जीतना एक सुखद अहसास था।

लैंडो नॉरिस ने जीता फॉमूर्ला-1 ऑस्ट्रियाई ग्रांप्री

एजेंसी

बीजिंग। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने रविवार को आयोजित फॉमूर्ला-1 ऑस्ट्रियन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। टीममेट ऑस्कर पियास्त्री दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन रेस की पहली ही लैप में मर्सिडीज के किमी एंटोनेली से टकराकर बाहर हो गए। रेड बुल रिंग सर्किट पर तेज गर्मी के बीच नॉरिस ने पोल पोजीशन से शुरूआत की और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पियास्त्री ने तीसरे स्थान से शुरूआत की और पहले ही कोने पर चार्ल्स लेक्लेर को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने पूरे रेस के दौरान नॉरिस पर दबाव बनाए रखा।रेस का अहम मोड़ 11वीं लैप में आया जब पियास्त्री ने डीआरएस का फायदा उठाकर टर्न 3 पर अस्थायी रूप से बढ़त बना ली, लेकिन नॉरिस ने उसी लैप में स्थिति संभाल ली और दोबारा लीड हासिल की। बाद के चरणों में, नॉरिस ने मामूली फ्रंट विंग डैमेज और बैकमार्कर्स के बीच अंतर को बनाए रखते हुए बढ़त कायम रखी। टीम रेडियो पर यह स्पष्ट किया गया कि दोनों मैकलारेन ड्राइवरों को आपस में रेस करने की आजादी है, लेकिन शर्त थी कि दोनों कारें सुरक्षित फिनिश करें। आखिरी लाइन तक नॉरिस ने पियास्त्री पर 2.7 सेकंड की बढ़त के साथ रेस जीत ली। यह इस सीजन में उनकी तीसरी जीत रही और इसके साथ ही उन्होंने पियास्त्री के चैंपियनशिप में अंकों की बढ़त को घटाकर सिर्फ 15 अंक कर दिया। कनाडाई ग्रांप्री में पिछली बार नॉरिस की पियास्त्री से टक्कर हो गई थी, जिससे वे रेस से बाहर हो गए थे। उस गलती को नॉरिस ने स्वीकार किया था और अब ऑस्ट्रिया में मिली जीत उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही। रेस की शुरूआत ही नाटकीय रही जब कार्लोस सैंज की विलियम्स कार फॉर्मेशन लैप में ही रुक गई, जिससे रेस की दूरी 71 से घटाकर 70 लैप कर दी गई। शुरूआत के तुरंत बाद एंटोनेली ने ब्रेकिंग पॉइंट का गलत आकलन करते हुए वेरस्टैपेन से टक्कर मार दी, जिससे दोनों कारें बाहर हो गईं। इस दुर्घटना से वेरस्टैपेन की 31 रेसों से जारी पॉइंट्स की लय टूट गई।

मैकलारेन की जोड़ी के बाद फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर तीसरे स्थान पर रहे, जो इस सीजन में उनका चौथा पोडियम फिनिश है। लुईस हैमिल्टन ने चौथा और जॉर्ज रसेल ने पांचवां स्थान हासिल किया। टॉप 10 में अन्य ड्राइवरों में रेसिंग बुल्स के लियाम लॉसन और एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो ने छठे और सातवें स्थान पर रहते हुए महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए। गैब्रियल बोतोर्लेटो ने आठवां स्थान हासिल कर अपने करियर के पहले त्र अंक अर्जित किए। नौवें स्थान पर निको हुल्केनबर्ग और दसवें पर एस्टेबन ओकॉन रहे।

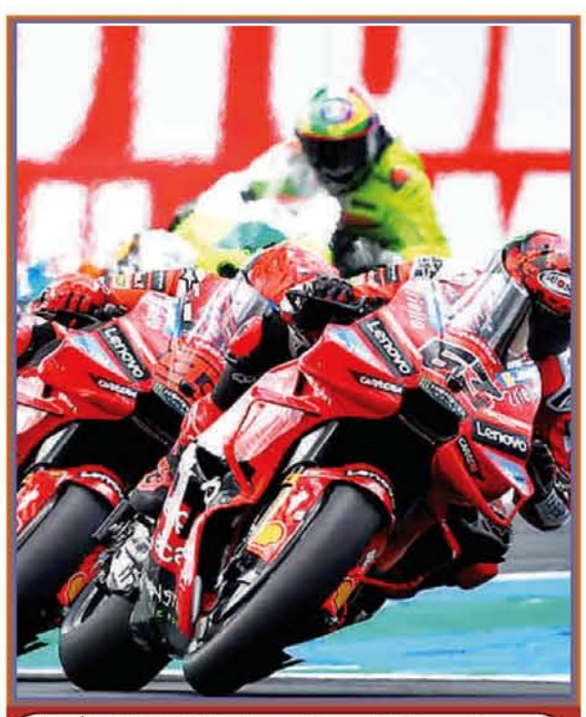

नीदरलैंड में मोटो जीपी रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी, इसमें डुकाटी लेनोवो के फ्रांसिस्को और मार्क मर्कयूज आगे निकलते हुए।

ऐसे करें स्मोकी आई मेकअप...

स्मोकी मेकअप आजकल चलन में हैं। खासतौर पर रात के फंक्शन या डीजे पार्टीज में स्मोकी आई बहुत ही ट्रैंडी और सुंदर लुक देती है। स्मोकी आई मेकअप ज्यादातर ब्लैक और ग्रे टोन में ही किया जाता है लेकिन फिर भी अगर आप किसी और कलर्स से अपनी आंखों को स्मोकी लुक देना चाहती हैं तो कर सकती है। ब्लैक के साथ आप अन्य डार्क क्लर्स का इस्तेमाल करके स्मोकी आई मेकअप कर सकती है, जिससे आंखें दूर से ही हाइलाइट हो जाती है लेकिन इन्हें स्टेप-वाइज-स्टेप ही किया जाना चाहिए नहीं तो यह स्मोकी लुक नहीं देगा। सबसे पहले एक बूंद प्राइमर लें और उसे आईलिड पर लगाएं। इसे लगाना बहुत ही जरूरी है क्योंकि गर्मी और ऑयलिंग फेस की वजह से आईशेडो क्रीज लाइन से फैल जाता है लेकिन अगर आप प्राइमर यूज करेंगी तो मेकअप फैलेगा नहीं। उसके बाद आप लैशलाइन पर आईलाइनर लगाएं। आईलाइनर जैल या स्कैच हो तो बढ़िया है। अब स्मजर ब्रश या आई बड की मदद से आईलाइनर को अच्छी तरह से स्मज कर लें। अब बारी आईशैडो लगाने की हैं। कलर्स का चुनाव अपनी मर्जी से करें। आंखों पर अपनी पसंद का आईशैडो लगाएं। ब्रश की मदद से क्रीज लाइन के नीचे आईशैडो को अच्छी तरह से स्मज करें। आप आईशैडो इस्तेमाल कर सकते हैं। राउंड ब्लैडिंग ब्रश की मदद से आईशैडो के ऊपर नए रंग का आईशैडो लगाएं। आप ग्रे ब्लैक, मैहरून, पर्पल या ब्राउन किसी भी कलर्स का इस्तेमाल कर सकती है लेकिन ध्यान रहे कि इस वाले आईशैडो को क्रीज लाइन के नीचे लगे आईशैडो के ऊपर गोलाई में स्मज करना है ताकि आंखें पूरी तरह से स्मोकी लुक दें। इस तरह आपकी आंखें देगी परफैक्ट स्मोकी लुक। अगर आप स्मोकी प्लस गिलटरी लुक चाहती हैं तो स्मोकी मेकअप के बाद ग्लिटर का इस्तेमाल करें।

नया बैटरी सेवर फीचर...

कई महीनों की बीटा टेस्टिंग के बाद ओपेरा ने अपने डेस्कटॉप और लैपटाप यूजर्स के लिए ओपेरा ब्राउजर का बैटरी सेवर फीचर वाला नया वर्जन रिलीज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि ब्राउजर में बैटरी सेवर फीचर एक्टिव रखने से बैटरी लाइफ में 50 प्रतिशत तक का इजाफा होगा। आपको बता दें कि ओपेरा का यह नया बैटरी सेवर फीचर तभी काम करेगा जब लैपटॉप में पावर केबल नहीं लगी होगी। इसमें एक बैटरी आइकन सर्च और एड्रेस फील्ड के बगल में नजर आएगा और एक पॉप अप डायलॉग बॉक्स में मौजूद होगा, जिसे क्लिक कर आप पावर सेवर मोड को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसमें यूजर बैटरी सेविंग फीचर को अपनी मर्जी के मुताबिक स्विच ऑन/ ऑफ कर सकते हैं। यह ब्राउजर लैपटॉप की बैटरी कम होने पर पावर सेवर मोड को एक्टिव करने का सुझाव भी देगा। यह नया फीचर बैकग्राउंड टैब में एक्टिविटी को कम कर देगा और इस्तेमाल होने वाले प्लग-इन को पॉज कर देगा, साथ ही यह फ्रेम रेट को भी 30 फ्रेम प्रति-सेकेंड के हिसाब से कम कर देगा। ओपेरा ने यह भी दावा किया है कि जब बैटरी सेवर फीचर को एक्टिव किया जाएगा तो यह लैपटॉप-पीसी को 3 डिग्री ठंडा भी रखेगा।

घर में कैद 50 फीसदी महिलाएं...

देश में साक्षरता के स्तर में निरंतर सुधार और महिलाओं का पढ़ने-लिखने के प्रति रुझान बढ़ने के बाद भी महिलाओं का घर की चार दीवारी तक ही सीमित रहना बेहद चिंतनीय है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में पढ़ी-लिखी महिलाओं में से चार दीवारी से बाहर निकल कर रोजगार से जुड़ने वाली महिलाओं का आंकड़ा 27 फीसदी ही है। यह भी आश्चर्यजनक सत्य सामने आया है कि शहरी महिलाओं की तुलना में ग्रामीण महिलाओं का रोजगार के प्रति अधिक रुझान है। रोजगार से नहीं जुड़ने के कारण महिलाओं का जीडीपी में योगदान कम है। पुरुषों के बराबर नौकरीपेशा महिलाएं हो जाएं तो जीडीपी में सीधे सीधे 27 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाए। अन्य एशियाई देशों की तुलना में हमारे देश में कामकाजी महिलाएं कम हैं। पिछले वर्षों में समग्र प्रयासों से महिलाओं की साक्षरता दर बढ़ी है। महिलाओं ने रोजगार के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों में भी प्रवेश किया है। आज जोखिम वाले काम भी महिलाएं बड़ी सहजता और सफलता से करने लगी हैं। एक समय था जब नौकरीपेशा महिला का मतलब अध्यापिका या नर्स की नौकरी से लगाया जाता था। आज स्थिति में तेजी से बदलाव आया है और अब तो सेना के विमान उड़ाने तक की महिलाओं का अनुमति दी जा रही है। सेना के तीनों अंगों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तय की जा रही है। बैंकिंग क्षेत्र में तो आज महिलाओं का दबदबा है ही कारोबारी क्षेत्र में भी महिला उद्यमियों ने अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में अन्य देशों की तुलना में देश में कामकाजी महिलाओं के कम होने का सीधा- सीधा अर्थ महिला शक्ति का आर्थिक विकास में भागीदारी प्रभावित होना है।

पानी में हल्दी मिलाकर पीने के हैं ये फायदे

ज्यादातर लोग स्वस्थ और फिट रहने के लिए सुबह उठते ही गर्म पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीते है। इसे लेने से वजन कम होता है और इसके नियमित सेवन से सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से हमेशा के लिए निजात मिल सकती है, जैसे शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते है, पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और त्वचा में चमक आती है।

इसके अलावा किसी प्रकार की भी कमजोरी आने पर लोग हल्दी वाला दूध पीते हैं। लगभग हम सभी लोग गर्म पानी में नींबू मिलाकर और हल्दी वाले दूध पीने के फायदों के बारे में जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर इस मिश्रण में थोड़ी सी हल्दी भी मिला दी जाए तो इसके गुण और भी बढ़ जाते हैं। यकीन नहीं हो रहा न, लेकिन हल्दी वाला पानी स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर होता है।

पाचन दुरुस्त रखें

कई शोधों से यह बात साबित हुई है कि नियमित रूप से हल्दी का सेवन करने से पित्त ज्यादा बनता है, जिससे आपका आहार आसानी से हजम हो जाता है और आहार के अच्छे से हजम होने से आप पेट संबंधी बीमारियों से बचे रहते हैं। इसलिए अगर आप अपने पाचन को दुरुस्त रखना चाहते हैं तो आज से ही अपनी दिनचर्या में हल्दी वाले पानी को शामिल करें।

शरीर की सूजन कम करें

हल्दी में करक्यूमिन नामक केमिकल की मौजूदगी के कारण यह दवा के रूप में काम करता है और यह शरीर की सूजन कम करने में सहायक होता है।

शरीर में चाहे कितनी भी सूजन क्यूं न हो, हल्दी वाला पानी पीने से कम हो जाती है। इसके अलावा करक्यूमिन के कारण यह जोड़ों के दर्द और सूजन को दूर करने में दवाइयों से भी ज्यादा अच्छी तरह से काम करता है।

दिमाग तेज करें

हल्दी दिमाग के लिए बहुत अच्छी होती है, अगर आप सुबह के समय गर्म पानी में हल्दी मिलाकर पीते हैं यह आपके दिमाग के लिए बहुत अच्छा रहता है। भूलने की बीमारी जैसे डिमेंशिया और अल्जाइमर को भी इसके नियमित सेवन से कम किया जा सकता है।

हल्दी वाला पानी बनाने का तरीका

सामग्री

- 1/2 - नींबू
- 1/4 - टी स्पून हल्दी
- 1 गिलास - गर्म पानी
- थोड़ी सी शहद

हल्दी वाला पानी बनाने की विधि

एक गिलास में आधा नींबू निचोड़ कर उसमें हल्दी और गर्म पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर उसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। हल्दी कुछ समय बाद नीचे बैठ जाती है, इसलिए पीने से पहले इसे अच्छे से हिलाकर पीएं।

दिल को दुरुस्त रखें

हल्दी वाला दूध दिल की सेहत के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसे पीने से खून जमता नहीं है और साथ ही यह खून साफ करने में भी मददगार होता है। इसके अलावा इससे खून की धमनियों में जमाव भी हट जाता है। हल्दी वाला पानी भी दिल को दुरुस्त रखने के लिए ऐसे ही काम करता है।

लीवर की रक्षा करें

हल्दी का पानी टॉक्सिक चीजों से आपके लीवर की रक्षा करता है और खराब लीवर सेल्स को दोबारा ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा यह पित्ताशय के काम को ठीक करने में मदद करता है, जिससे आपके लीवर की रक्षा होती है।

एंटी-कैंसर गुणों से भरपूर

हल्दी में करक्यूमिन नामक केमिकल की मौजूदगी इसे एक ताकतवर एंटीऑक्सीडेंट बनाता है। जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं से लड़ती है।

उम्र के असर को करें बेअसर

गर्म पानी में नींबू, हल्दी पाउडर और शहद मिलाकर पीने से यह शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकालने में बहुत मददगार होता है। इसके अलावा इसे नियमित रूप से पीने से फ्री रैडिकल्स से लड़ने में मदद मिलती है जिससे शरीर पर उम्र का असर कम और धीरे-धीरे पड़ता है।

स्टाइलिश एक्सेसरीज...

गर्मी हो या सर्दी महिलाओं का फैशन आए दिन बदलता रहता है। गर्मियों में तो ईयररिंग्स से लेकर फुटवियर तक सब कुछ ही फैशन पर ही बेस्ड होता है। इन गर्मियों में आप शैंडलियर ईयररिंग्स से लेकर कॉकटेल रिंग्स और हूप्स जैसी एक्ससेसरीज का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सोलिटेयर स्टड्स

इस तरह के एयर रिंग्स सिंपल होने के साथ-साथ फैशनऐबल भी होते हैं। पहनने में लाइट वेट ये हर परिधान के साथ सूट करते हैं और आपके आकर्षण में चार चांद लगा सकते हैं।

शैंडलियर ईयररिंग्स

महिलाओं को आजकल हूप्स और शैंडलियर ईयररिंग्स बहुत पसंद आ रहे हैं। ये आपकी पर्सनैलिटी को चार चांद लगा देते हैं। बाजार में इसकी बेशुमार वैरायटी उपलब्ध है।

कॉकटेल रिंग

यह आपके परिधान को भी खास बना देती है और आपको बेहद ग्लैमरस और खास दिखने में मदद करती है।

हीरों का नेकलेस

पार्टी हो या फिर गैट टूगैदर हीरों का नेकलेस बहुत खास एक्सेसरी है। ये चौड़ी और बोट शेप नेकलाइन्स पर बेहद शानदार लगते हैं। बाजार में तरह-तरह के पत्थरों से बने ब्रेसलेट भी बेहद शानदार और खास लुक देते हैं।

कलरफुल डॉर्क ज्वैलरीज

ज्वैलरी नए डिजाइन में हो और पहनने में भी कंफ्टेबल हो तो बात ही अलग है। अगर आप नए तरह के कलरफुल ईयरिंग्स, पैंडेंट्स और डिजाइनर रिंग्स वियर करने का शौक रखती हैं तो मार्केट में ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक देती कलरफुल डॉर्क ज्वैलरीज को जरूर ट्राई कीजिए। ये ज्वैलरी कई सारे डिजाइंस के साथ ही कई सारे कलर्स में भी अवेलेबल हैं। जिसे कॉलेज गर्ल से लेकर ऑफिस वूमन्स तक कैरी कर सकती हैं। इसकी खास बात है कि ये अंधेरे में शाइन करती हैं।

झूमर का ट्रैंड

समय के साथ-साथ गहने कैरी करने का अंदाज भी बदलता रहता हैं। जैसे पहले महिलाएं गहनों में नथ, मांग-पट्टी, कंगन और नेकलेस पहनती थी। वहीं मांग पट्टी की जगह अब झूमर ज्वैलरी ने ले ली हैं। इसे पासा भी कहते हैं। अब यह कॉमन ट्रैंड में चल रहा है।

कुंदन और पोल्की ज्वैलरी

बहुत सारे लोग कुंदन और पोल्की ज्वैलरी को एक जैसे ही मानते हैं। वैसे कुंदन और पोल्की दोनों ही स्टोन होते हैं लेकिन पोल्की ज्वैलरी में अनफिनिशिड नैचुरल डायमंड्स का इस्तेमाल किया जाता है। अपनी नैचुरल लुक की वजह से पोल्की ज्वैलरी हमेशा से ही डिमांड में रही है और अपनी डायमंड शाइनी लुक की वजह से यह कुंदन ज्वैलरी से ज्यादा कीमती होती है। इन्हें जमीन से ही खुदाई करके निकाला जाता है और इन्हें पॉलिशिंग की जरूरत नहीं होती। वहीं कुंदन ज्वैलरी ग्लास स्टोन की बनी होती हैं। कुंदन ज्वैलरी को पॉलिश कर इसकी लुक हो बारीक बनाया जाता है। इनके डिजाइन से लेकर इन्हें तैयार करने की पूरी प्रकिया को सावधानीपूर्वक किया जाता है क्योंकि इन्हें काफी बारीकी से तैयार किया जाता है। पोल्की को मुगलों द्वारा भारत में पेश किया गया था जबकि कुंदन राजस्थानी ट्रैडीशनल ज्वैलरी है। जयपुर और हैदराबाद कुंदन और जड़ाऊ गहनों के लिए प्रसिद्ध हैं। बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों ने भी अपने वैडिंग पर कुंदन और पोल्का की खास ज्वैलरी पहनीं। एवट्रैस ऐश्वर्या राय बच्चन ने गोल्ड कुंदन ज्वैलरी पहनी, जिसमें वह किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रही थी। वहीं एवट्रैस शिल्पा शैट्टी, विद्या बालन दिया मिर्जा और ऐशा देओल भी अपनी पोल्का और कुंदन ज्वैलरी में प्रफैक्ट लुक दे रही थीं।

स्वस्थ रहने के लिए कीजिए खूब सारी बातें

क्या आप यह सुनन-सुनत थक गए ह ाक ज्यादा बातें करना अच्छी बात नहीं? ...तो यह भी सुन लीजिए कि वैज्ञानिकों ने यह पाया है कि बातें करने से आपका दिमाग तेज होता है और मानसिक स्वास्थ्य बढ़िया रहता है। माना जाता है, बातें बनाना बुरी बात है। लोग अक्सर कहते भी हैं, इस तरह बातें बनाने से बात नहीं बनेगी। लोग बातूना लागा का अक्सर व्यग्य स इस तरह वाक्यपटु कहते हैं मानो उन्हें चिड़ा रहे हों। लेकिन बातें बनाना या ज्यादातर लोगों से संवाद स्थापित कर लेना न तो किसी बेवकूफी की निशानी है और न ही इससे कोई नुकसान है। भले ही लोग कहते हों कि बातें बनाने से कुछ नहीं होगा, मगर वैज्ञानिकों ने एक विस्तृत शोध के जरिए साबित किया है कि बातें बनाना न सिर्फ बुद्धिमान बनने का जरिया है, बल्कि निरंतर और हर तरह के लोगों से संवाद कला में माहिर होने वाले लोग जीनियस भी साबित होते हैं। एक शोध में पाया है कि जब आप रोजाना 10 मिनट किसी के साथ किसी भी विषय पर बातचीत करते हैं तो इससे न केवल आप धीरे-धीरे संवाद कला में माहिर होते जाते हैं, बल्कि इससे याददाश्त भी तेज होने लगती है और बुद्धिमत्ता भी बढ़ने लगती है। कुछ भी करने से पहले डॉ. से जरूर सलाह लें।

कैलेंडर को झुठला दें...

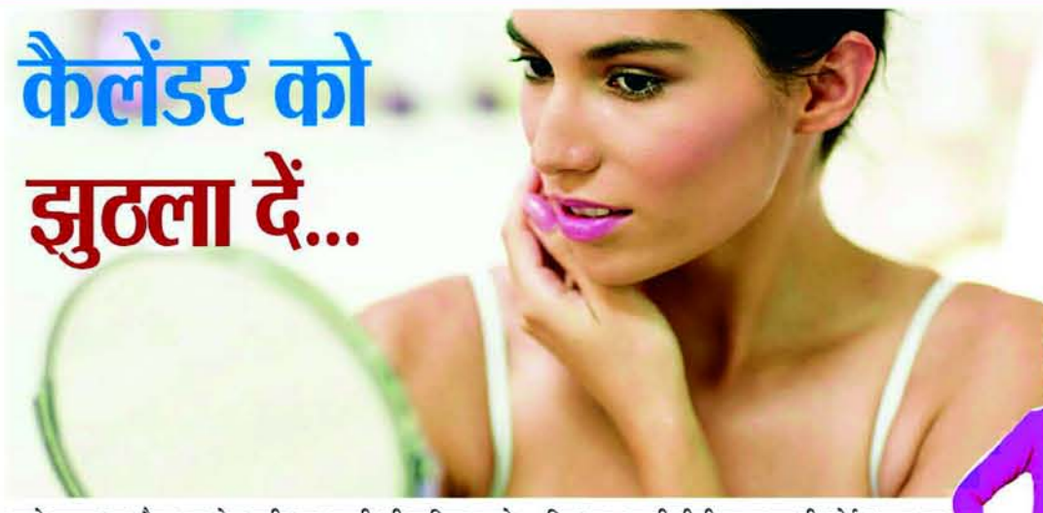

हर महिला को चालीस के बाद अपनी त्वचा व बालों पर ध्यान देना अत्यंत जरूरी हो जाता है, वरना त्वचा पर उम्र का असर दिखने लगता है। उम्र से होने वाले परिवर्तन को हम रोक तो नहीं सकते हैं पर किसी हद तक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। अपनी जीवन शैली में नियमितता बनाए रखें। समय पर भोजन, थोड़ा व्यायाम व अच्छी नींद त्वचा व बालों के लिए बहुत जरूरी है। तनाव को कम करने की कोशिश कीजिए। हमारे जीवन में होने वाले तनावों से हम भाग तो नहीं सकते हैं, लेकिन अपने शरीर पर होने वाले उन दुष्प्रभावों को हम रोक सकते हैं, जो तनाव के कारण होते हैं। नियमित व्यायाम कीजिए व तनाव को दूर करने के लिए रोज कम से कम पंद्रह बीस मिनट तक यौगिक क्रियाएं कीजिए। योग करने से पहले किसी योग प्रशिक्षक के प्रशिक्षण अवश्य ले लें। ऐसा कर आप कैलेंडर को झुठला सकती हैं

आधा लीटर दूध लें

कम से कम एक नींबू व आधा लीटर मलाई निकला दूध अपने भोजन में अवश्य शामिल करें। नींबू से आपको विटामिन-सी मिलेगा व दूध से कैल्शियम आदि जरूरी तत्व मिलेंगे। यह उम्र रजोनिवृत्ति की होती है अतः इस उम्र में अक्सर महिलाओं को घुटने में दर्द, पैरों में दर्द व हॉट फ्लैश आदि समस्याएं होती हैं। अतः अपने खानपान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉक्टर की सलाह लेकर आप रोज अतिरिक्त विटामिन सी व कैल्शियम की गोलियां भी खा सकती हैं।

नहाने से पहले

इस उम्र में हमारी त्वचा में डीहाइड्रेशन भी अधिक होता है व त्वचा अपनी नमी खो देती है। अतः आप जब भी नहाए तो एक-डेढ़ घंटे पहले बादाम या जैतून का तेल शरीर पर हल्की-सी मालिश करते हुए लगाएं। नहाते समय साबुन या बाथ जैल जो भी आप उपयोग करती हैं, उसे सीधे अपनी त्वचा पर न लगाते हुए एक छोटी टर्किश टॉवेल को गीला करके उसमें साबुन या बाथ जैल लगाएं व उसे अच्छी तरह से रगड़ते हुए त्वचा पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा अच्छी तरह से साफ होगी, डैड सेल्स निकल जाएंगे व घर्षण से रक्त का बहाव भी अच्छा होगा। चेहरे व शरीर की त्वचा तरोताजा होगी।

शॉवर या बाथ टब

यदि नहाते समय शॉवर या बाथ टब का उपयोग करती हैं तो बहुत अच्छा है। टब या शॉवर में कम से कम दस मिनट तक रहिए ताकि आपकी त्वचा पानी को एब्जॉर्ब कर सके व रीहाइड्रेट हो जाए। नहाकर निकलने के बाद हार्ड टॉवेल से अपना शरीर न पोंछें। हमेशा कॉटन की टर्किश टॉवेल का ही उपयोग करें। पानी को रगड़कर न पोंछें। एकदम हल्के हाथों से त्वचा को थपकाएं ताकि पूरा पानी न सूखे। फिर नम, हल्की गीली त्वचा पर ही कोई अच्छा-सा बॉडी लोशन लगा लें, ताकि आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहे। सप्ताह में दो बार दो चम्मच शहद, पंद्रह से बीस बूंद नींबू का रस, आधा चम्मच मलाई या घी व एक चम्मच ओट मील डालकर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से चेहरा साफ करके अच्छी विटामिन क्रीम लगाएं। यदि आपकी ऑइली स्किन है तो मलाई का प्रयोग न करें व क्रीम के बदले मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें।

हाथ व गर्दन की देखभाल

याद रखिए किसी भी महिला की उम्र का अंदाजा उसके हाथ व उसकी गर्दन से लगाया जा सकता है। अतः इनकी अच्छी तरह से देखभाल करें। चेहरे पर कुछ लोशन या क्रीम लगाती हैं तो उसे अपनी गर्दन व हाथों पर लगाना न भूलें। सप्ताह में एक बार आप मिल्क बाथ भी ले सकती हैं। एक बीस लीटर की बाल्टी में एक कप दूध या एक टेबल स्पून मिल्क पाउडर डालें। उसमें कुछ बूंदें चंदन के तेल की व कुछ बूंदें अपनी पसंद के परफ्यूम की डाल दें। इस पानी को धीरे-धीरे अपनी त्वचा पर डालते हुए नहाएं।

सिंथेटिक कपड़े कम पहनें

सिंथेटिक वस्त्रों का प्रयोग कम से कम करें। ये भी हमारी त्वचा की नमी सोखते हैं। वूलन कपड़े भी सीधे अपनी त्वचा पर न हों, इस बात का ध्यान रखें। सप्ताह में एक बार पेडीक्योर व मेनीक्योर अवश्य करें। इससे हाथ व पैरों की अच्छी सफाई होकर मसाज होगी तो आपके हाथ-पैरों पर उम्र का असर कम दिखेगा। ताजे व रसीले फलों का नियमित सेवन करें। फलों का रस पीने के बदले पूरे फल खाएं। जैसे संतरा, मौसंबी, पाइनेपल, सेव, अंगूर आदि का रस पीने के बजाए फल खाएं। इससे आपको रफेज भी मिलेगा और पाचन तंत्र अच्छा रहेगा।

प्राइवेट ब्राउजिंग का बड़ा फायदा...

बिना अपने कम्प्यूटर पर कूकीज डाउनलोड किए या फिर अपने बारे में किसी भी वेबसाइट को कम जानकारी देकर भी आप ब्राउजिंग कर सकते हैं। उसके लिए आपको प्राइवेट ब्राउजिंग या इनकौगनीटो मोड में करना होगा और उसको करना बहुत आसान है। अगर आप किसी भी प्रोडक्ट या सर्विस के लिए वेब सर्च कर रहे हैं तो प्राइवेट ब्राउजिंग से सर्च सेव नहीं होता है। कोई भी जब आपका कंप्यूटर इस्तेमाल करेगा तो उसे पता नहीं चलेगा कि आपने क्या सर्च किया है। वर्ना सभी सर्च जो आपके गूगल अकाउंट से किया जाता है उसका गूगल के पास रिकॉर्ड होता है।

क्या और कैसे करें?

गूगल क्रोम पर प्राइवेट ब्राउजिंग करने के लिए ब्राउजर लांच करने के बाद दाहिनी तरफ ऊपर में ये तीन लाइन दिखाई देती हैं उनपर क्लिक कीजिये। वहां पर न्यू इनकौगनीटो विंडो लिखा दिखाई देगा जिसपर आपको क्लिक करना होगा। उसके बाद जो ब्राउजर खुलेगा उस पर आप प्राइवेट ब्राउजिंग कर सकते हैं। यह प्राइवेट ब्राउजिंग तब तक चलेगा जब तक आप उसी विंडो पर किसी भी वेबसाइट पर जाएंगे।

ऑफ द रिकॉर्ड हिस्ट्री

अगर आप क्रोम ब्राउजर इस्तेमाल करते हैं तो प्राइवेट ब्राउजिंग के समय भी अपने ब्राउजिंग की हिस्ट्री को सुरक्षित रखने के लिए एक एक्सटेंशन डाउनलोड कर सकते हैं।ऑफ द रिकॉर्ड हिस्ट्री नाम के इस एक्सटेंशन को इस्तेमाल करके आप जितनी देर प्राइवेट ब्राउजिंग करेंगे, आपकी हिस्ट्री बरकरार रहेगी। एक बार आप ब्राउजर को बंद कर देंगे तो ये हिस्ट्री मिट जाएगी।

बच नहीं सकते

वैसे अपने रोजाना के ब्राउजिंग के बारे में जानने के लिए ब्राउजर की सेटिंग में जाकर बीते दिनों आप जिस भी वेबसाइट पर थे उनके बारे में जानकारी मिल जाएगी। यह हिस्ट्री आप अपने कंप्यूटर से मिटा तो सकते हैं लेकिन आपके ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइडर के पास ये जानकारी हमेशा रहती है। प्राइवेट ब्राउजिंग करके आप कानूनी एजेंसियों से भी बच नहीं सकते हैं। लेकिन इ कॉमर्स या फेसबुक, ट्विटर जैसे कंपनियों की कूकीज से बचने का ये बहुत बढ़िया तरीका है। प्राइवेट ब्राउजिंग करने पर ऐसे वेबसाइट को आपके बारे में सीमित जानकारी मिल पाती है और वो आपको सिर्फ आपके पसंद के विज्ञापन नहीं दिखा पाएंगे।

शादी में जरूर आना में साथ काम करेंगे नितांशी-अभय

मुंबई। बॉलीवुड में एक और मच अवेटेड सीक्वल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ गया है। साल 2017 की सुपरहिट फिल्म शादी में जरूर आना अब एक नए अध्याय के साथ वापसी करने जा रही है और इस बार लीड रोल में हैं दो यंग और टैलेंटेड चेहरे- अभय वर्मा और नितांशी गोयल। जहां पहली फिल्म में राजकुमार राव और कृति खरबंदा की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीता था, वहीं इस बार कहानी को एक नई सोच, नया जमाना और नई जोड़ी देने की कोशिश की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'मुंज्या' फेम अभय वर्मा और लापता लेडीज की नितांशी गोयल को लेकर निर्देशक रत्ना सिन्हा ने ये भरोसा जताया है कि यह फ्रेश जोड़ी पुराने दर्शकों को भी जोड़े रखेगी।

लाइफ Style

सारा

प्रमोशन के लिए अपना रहीं अलग-अलग हथकंडे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन में जुटी है। इसके लिए वह अलग-अलग तरीके अपना रही हैं। इसके लिए वह अलग-अलग तरीके अपना रही हैं। हाल ही में वह अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए एक रेस्तरां में पहुंची। अब उन्होंने एक कार पर बैठ कर बेहतरीन पोज दिया है। उनकी पोस्ट पर फैंस रिएक्शन दे रहे हैं। सारा अली खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में सारा अली खान आदित्य रॉय कपूर के साथ पोज दे रही हैं। दोनों एक पीली कार पर बैठे हैं। सारा अली खान ने अपना सिर आदित्य के कंधे पर रखा है। सारा ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है 'पर्थ और चमकी अपनी मेट्रो के आने का इंतजार कर रहे हैं। 'मेट्रो इन दिनों' 4 जुलाई को आएगी।' सारा अली खान की इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और कई यूजर्स इस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है 'आप दोनों को शुभकामनाएं। उम्मीद है कि आपकी फिल्म बहुत अच्छी होगी।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आपकी केमिस्ट्री खूबसूरती से परे है।' एक और यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है 'इस फिल्म का इंतजार नहीं कर सकते।' इससे पहले सारा अली खाना और आदित्य रॉय कपूर एक रेस्तरां पहुंचे थे। यहां दोनों ने एक दूसरे को खाना खिलाया था और प्यार भरे लम्हे शेयर किए थे। सारा अली खान ने पोस्ट में लिखा था 'यह बेंगलुरू है।

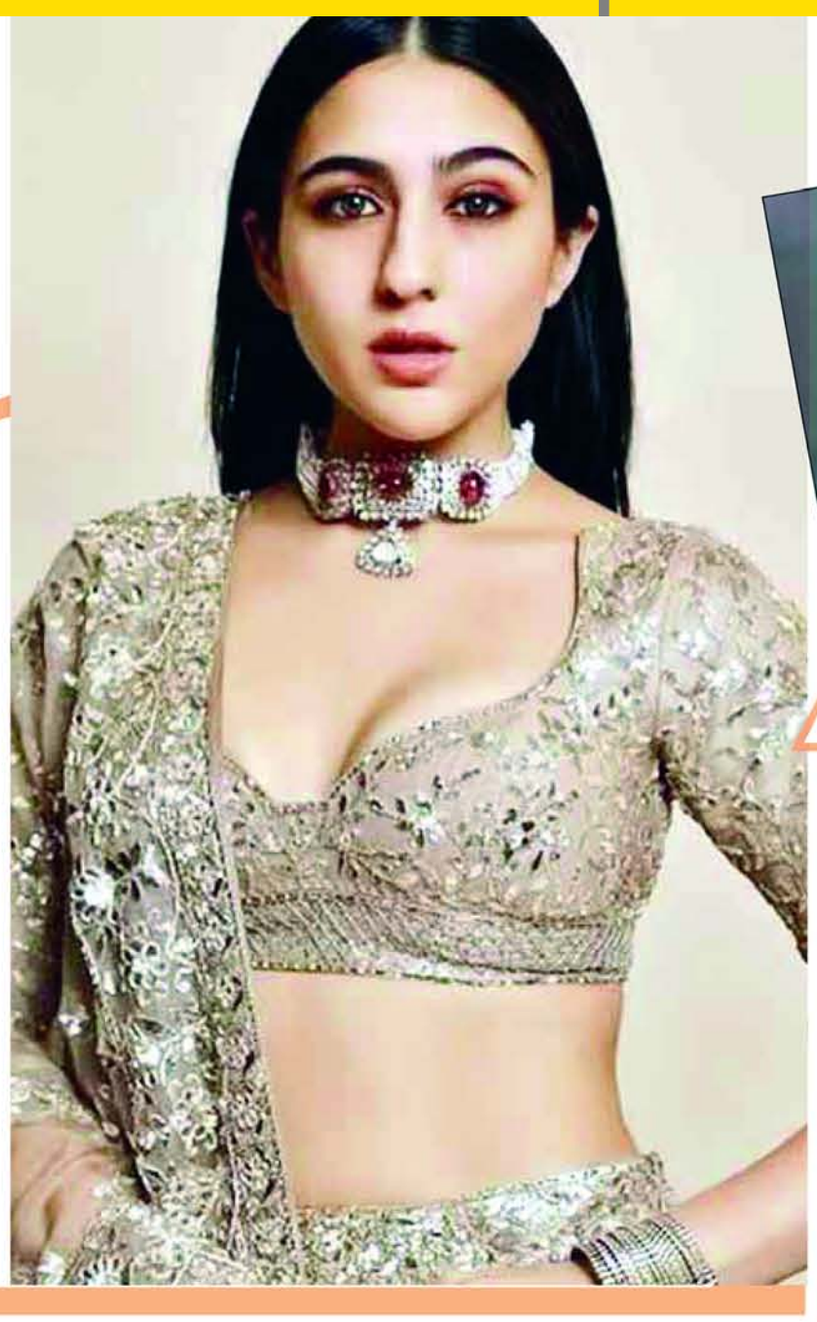

हॉलीवुड मसाला

हेट्स ऑफ स्टेट की स्क्रीनिंग घर पर

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की रिलीज को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के अलावा जॉन सीना और इद्रीस एल्बा हैं। यह फिल्म भारत में 2 जुलाई को अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। इस फिल्म को अभी लोगों ने नहीं देखा है लेकिन प्रियंका चोपड़ा के परिवार ने अपने घर पर इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी है। इस पर प्रियंका चोपड़ा काफी खुश हुई हैं।

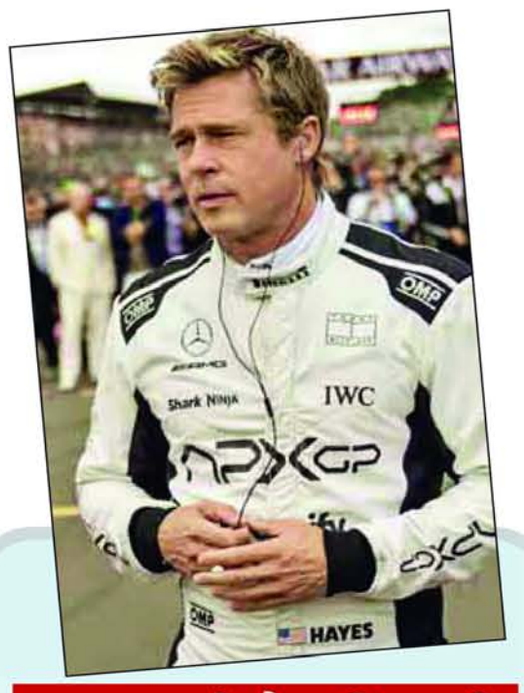

एफ-1 को ब्रैड पिट की पॉपुलैरिटी का मिला फायदा

मुंबई। 27 जून को हॉलीवुड के फेमस एक्टर ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ1' भी भारत में रिलीज हुई। अब तक प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के अनुसार ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ1' ने दूसरे दिन 7.36 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। पहले दिन इस फिल्म ने अपना खाता 5.5 करोड़ रुपए से खोला था। इस तरह देखा जाए तो वीकएंड पर यानी शनिवार को इस फिल्म की कमाई में अच्छा-खास उछाल है। हॉलीवुड फिल्म 'एफ1' कमाई के मामले में काजोल की बॉलीवुड फिल्म 'मां' को पछाड़ रही है। दूसरे दिन भी इसने काजोल की फिल्म से ज्यादा कमाई कर ली है। इससे अंदाजा हो जाता है कि भारत में इस फिल्म को ब्रैड पिट की पॉपुलैरिटी का फायदा मिल रहा है। भारतीय दर्शक बतौर एक्टर ब्रैड पिट को पसंद करते हैं, उनकी एक्टिंग के कायल हैं। फिल्म 'एफ1' की एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है।

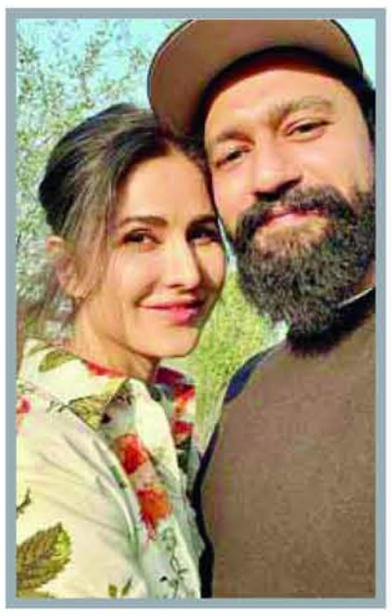

एक्टिंग के मामले में पति को देती हैं सलाह

मुंबई। विक्की कौशल ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री में बतौर एक्टर 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ से शादी की है। ऐसे में उन्होंने अपनी एक्टिंग और कैटरीना कैफ के बारे में कई बातें शेयर की हैं। विक्की कौशल ने बताया कि उनकी पत्नी कैटरीना उनके काम पर प्रतिक्रिया देती हैं। हालांकि, वह अपने काम के बारे में उनकी प्रतिक्रिया नहीं सुनती हैं। उन्होंने कहा 'वह बहुत ईमानदार हैं। वह बताती हैं कि मेरा काम कैसा है। हालांकि, मेरे काम को लेकर वह थोड़ा सावधान होती हैं, क्योंकि चाहे जो भी हो इस काम में बहुत मेहनत लगी होती है। हालांकि, अक्सर वह मेरे काम को लेकर बहुत मुखर होती हैं। जब वह मेरे काम पर प्रतिक्रिया देती हैं तो वह मुझे अच्छा लगता है। वह बताती हैं कि मेरे काम में कहां कमी रह गई और क्या बेहतर हो सकता था।'

अफवाहों का नहीं पड़ता कोई प्रभाव...

मुंबई। अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। इस बीच अभिषेक ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात की। उन्होंने कहा- मेरी सभी फिल्में बहुत निजी हैं। मैं यह सुनिश्चित करता हूं। संभवतः एक या दो ऐसी फिल्में होंगी जो उतनी निजी नहीं होंगी। लेकिन, मेरा नियम है कि यह निजी होनी चाहिए। अगर यह निजी नहीं है, तो मैं शायद इसे नहीं करूंगा।' इस दौरान अभिषेक ने उनको लेकर होने वाली तमाम तरह की चर्चाओं और अफवाहों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि क्या उन पर इस तरह की अफवाहों का कोई प्रभाव पड़ता है। एक्टर ने कहा कि जो व्यक्ति गलत सूचना या झूठ फैला रहा है, उसे स्पष्टता या सुधार में कोई दिलचस्पी नहीं है।

टीवी मसाला

पति को लेकर भोले बाबा के मंदिर पहुंचीं देवोलीना

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने साल 2022 में दूसरे धर्म में शादी की। उनके पति शहनवाज शेख हैं और मुस्लिम है। अब दोनों का एक बेटा भी है। दोनों के बीच कभी धर्म की दीवार नहीं आई। अब दोनों भगवान शिव के मंदिर पहुंचे हैं। जहां उन्होंने पूजा अर्चना की और बेटे को आशीर्वाद दिलवाया। देवोलीना को छोटे पर्दे की गोपी बहू के नाम से जाना जाता है। उन्होंने सुपरहिट सीरियल साथिया में काम किया था और फिर वह बिग बॉस में भी पहुंचीं। बेटे के जन्म के बाद वह छठी मैया की बिटिया और दिल दी गलां जैसे सीरियल में नजर आई थीं। अब इस बीच देवोलिना भट्टाचार्य पति और बेटे के साथ गुवाहाटी के भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पहुंची हैं, जहां उन्होंने परिवार के साथ मिलकर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। देवो ने इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। देवोलीना दिसंबर 2022 में जिम ट्रेनर शाहनवाज के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें, तो देवोलिना ने 2011 में शो सांवरे सबके सपने प्रीतो से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह साथ निभाना साथिया, लाल इश्क, साथ निभाना साथिया 2 और दिल दियां गल्लां जैसे शो में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री 'बिग बॉस 13', 'बिग बॉस 14', 'बिग बॉस 15', और 'डांस इंडिया डांस 2' में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

जिंदगी की जर्नी को करना चाहिए एंज्वॉय

नई दिल्ली। ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में कभी नजर आईं एक्ट्रेस लता सभरवाल ने शादी के 16 साल बाद अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की है। अलगाव के बाद लता अपने काम में पूरी तरह से व्यस्त हैं। वह बतौर पर्सनालिटी ग्रूमिंग मेंटर की तरह काम करती हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में लता ने जिंदगी को लेकर गहरी बातें साझा की हैं। लता ने कहा, 'हमारे जीवन में एक लक्ष्य खत्म हो जाता है, दूसरा लक्ष्य सामने खड़ा हो जाता है। जिंदगी तो बस अनुभव का दूसरा नाम है। हम सबकी जिंदगी रोलर कोस्टर राइड की तरह है। अगर कोई कहता है कि उसकी जिंदगी में सब सही है, तो ऐसा नहीं है। हां, बस अपनी जिंदगी की इस जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए। बताते चलें कि लता और संजीव सेठ ने टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पति और पत्नी का रोल किया था। इसी सीरियल के सेट पर इन्हें प्यार हुआ, आगे चलकर ये शादी के बंधन में बंधे। इनका एक बेटा भी है। हाल ही में दोनों ने अलगाव की राह को चुना है। शादी के 16 साल बाद लता और संजीव अलग हो गए हैं।

इन फिल्मों में दिखाई गई आदिवासियों की संघर्ष और संस्कृति की कहानी

नई दिल्ली। 27 जून को सिनेमाघरों में फिल्म 'कन्नप्पा' रिलीज हुई है। फिल्म में विष्णु मांचू ने एक आदिवासी व्यक्ति का रोल निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि आदिवासी शख्स पहले नास्तिक होता है, इसके बाद वह भगवान शिव का भक्त बन जाता है। यह किरदार विष्णु मांचू ने निभाया है। ऐसे में हम आपको उन फिल्मों के बारे में बता रहे है जिनमें आदिवासियों की कहानी दिखाई गई है।

जंगल क्राई : साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'जंगल क्राई' में रग्बी खेल की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में दिखाया गया है कि ओडिशा के वंचित आदिवासी बच्चे किस तरह से ब्रिटेन में अंडर-14 रग्बी विश्व कप जीतते हैं। यह फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में एमिली शाह और अभय देओल ने अहम किरदार निभाया है।

जय भीम : साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'जय भीम' में एक आदिवासी परिवार की कहानी दिखाई गई है। इसमें दिखाया गया है कि एक आदिवासी शख्स को झूठे इल्जाम में फंसाकर उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया जाता है, जहां उसकी मौत हो जाती है। इसके बाद उसकी पत्नी को एक वकील इंसाफ दिलाता है।

शेरनी : साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'शेरनी' में आदिवासियों की कहानी दिखाई गई है। इस फिल्म में इंसान और जानवरों के संघर्ष और संरक्षण की कहानी दिखाई गई है। जानवरों के संरक्षण में अकसर आदिवासी समुदाय शामिल होते हैं। फिल्म में विद्या बालन ने अहम किरदार निभाया है।

आर्टिकल 15 : फिल्म 'आर्टिकल 15' में भारत में चल रही जाति-आधारित भेदभाव और हिंसा को दिखाया गया है। फिल्म में आदिवासियों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों की खस्ता हालत दिखाने की कोशिश की गई है। साल 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म में आयुष्मान खुराना ने अहम किरदार निभाया है। फिल्म का निर्देशन अभिनव सिन्हा ने किया था।

आक्रोश : साल 1980 में रिलीज हुई फिल्म 'आक्रोश' में दिखाया गया है कि कैसे सत्ता में बैठे लोग आदिवासी लोगों का शोषण और उत्पीड़न करते हैं। इसमें आदिवासियों का संघर्ष दिखाया गया है। फिल्म में अमरीश पुरी, ओम पुरी और नसीरुद्दीन शाह ने अहम रोल निभाया है।

आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं बिग बी : केके मेनन

मुंबई। अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हों, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?' बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा, क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

अभिनेत्री और मॉडल शेफाली की अचानक हुई मौत ने हर किसी को कर दिया हैरान

आज भी रहस्य बनी हुई है इन सेलेब्स की मौत की वजह

नई दिल्ली। अभिनेत्री और मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई मौत ने हर किसी को हैरान कर दिया। शेफाली सिर्फ 42 साल की उम्र में ही दुनिया छोड़कर चली गई। शेफाली की मौत की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। शुरू में जरूर ये कहा गया कि उनकी मौत कार्डिएक अरेस्ट की वजह से हुई है। लेकिन, बाद में पुलिस ने बताया कि उनकी मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। असल वजह पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगी। उम्मीद है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद शेफाली की मौत की असल वजह का पता चल जाएगा। लेकिन, बॉलीवुड में कई ऐसे सेलेब्स भी हैं जिनकी मौत आज भी एक रहस्य बनी हुई है। उनकी मौत की वजह का आज तक पता नहीं चल पाया है।

दिव्या भारती : दिव्या भारती ने सिर्फ 2 से 3 साल के कॅरियर में ही वो नाम कमाया जो शायद कई स्टार्स कई साल काम करने के बाद भी नहीं कमा पाते हैं। दिव्या भारती की फैन फॉलोइंग आज भी भारी संख्या में है और आज भी उनकी खूबसूरती की मिसाल दी जाती है। लेकिन, कॅरियर के पीक टाइम पर दिव्या भारती की मौत आज भी एक अनसुलझी कहानी बनी हुई है। 5 अप्रैल 1993 को दिव्या भारती के निधन की अचानक खबर आती है। पता चलता है कि वो अपने घर की बालकनी से गिर गईं, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। ऐसा कहा जाता है कि वो नशे की हालत में बालकनी से गिर गईं और उनकी मौत को एक एक्सीडेंटल डेथ बताया जाता है। हालांकि, इस पर संदेह आज भी है, लेकिन उनकी मौत आज भी एक रहस्य ही बनी हुई है।

श्रीदेवी : बॉलीवुड की हवा हवाई यानी कि श्रीदेवी की मौत भी आज तक एक पहेली बनी हुई है। श्रीदेवी की मौत भारत में न होकर दुबई में हुई थी। वो 24 फरवरी 2018 को दुबई के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों मृत पाई गई थीं। बाद में दुबई के अधिकारियों ने उनकी मौत की वजह बाथटब में डूबने को बताया था। हालांकि, इसको लेकर तमाम तरह के सवाल भी उठे। कई लोगों ने शक की सुई को उनके पति और निर्माता बोनी कपूर की ओर भी घुमाया। तो वहीं कई बार उनके नशे की हालत में होने की बात भी कही गई। लेकिन, आज भी उनकी मौत एक रहस्य बनी हुई है।

परवीन बॉबी : अपने समय की टॉप एक्ट्रेस रहीं परवीन बॉबी ने अपने कॅरियर में अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना और शशि कपूर जैसे अभिनेताओं के साथ काम किया और खूब नाम कमाया। उनकी गिनती उस वक्त इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस में होती थी। लेकिन उनकी मौत ऐसी हुई जो आज भी एक रहस्य बनी हुई है। हैरान करने वाली बात ये है कि इतनी मशहूर एक्ट्रेस होने के बावजूद परवीन बॉबी की मौत का पता तीन दिनों बाद चला था। जब उनके घर से पड़ोसियों को बदबू आनी शुरू हो गई थी। इसके बाद उनका शव सड़ी हालत में मिला था। उनकी मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि एक्ट्रेस की मौत की वजह मल्टिपल ऑर्गन फेलियर रही। रिपोर्ट में उनकी बॉडी के अंदर कोई फूड भी नहीं मिला था। जिससे पता चलता है कि उन्होंने खाना छोड़ दिया था।

गुरु दत्त : भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्माता-निर्देशक और एक्टर गुरु दत्त की मौत आज तक एक पहेली बनी हुई है। हालांकि, उनकी मौत की वजह अत्यधिक शराब का सेवन और नींद की ज्यादा गोलियां लेना बताया गया। लेकिन, गुरु दत्त की मौत आज भी एक सवाल बनी हुई है। कुछ उनकी मौत को आत्महत्या मानते हैं, तो कुछ लोग आज भी उसकी असल वजह जानने का प्रयास करते हैं। हालांकि, गुरु दत्त के भाई हमेशा उनके आत्महत्या करने की बातों को खारिज करते रहे। गुरु दत्त की पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चाओं में रही और वो अपने व्यक्तिगत जीवन में दुखी ही रहे। हालांकि, जिस रात उनकी मौत हुई उस रात उन्हें अपने बच्चों से भी मिलना था। ऐसी कई बातें हैं जो गुरु दत्त की मौत को शक के दायरे में खड़ा करती हैं।

सुशांत सिंह राजपूत : बॉलीवुड के उभरते सितारे माने जाने वाले अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन को अब पांच साल बीत चुके हैं। सुशांत की डेड बॉडी उनके घर में पंखे से लटकती मिली थी। सीबीआई जांच के बाद उनकी मौत को आत्महत्या ही करार दिया गया है। लेकिन, कहीं न कहीं आज भी उनकी मौत के पीछे की वजह सवालों के घेरे में है। क्योंकि, जो लोग सुशांत को करीब से जानते हैं उनका ये मानना है कि सुशांत कभी भी आत्महत्या नहीं कर सकते। हालांकि, उनकी मौत के बाद शक की घड़ी उनकी गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती समेत कई लोगों पर गई। लेकिन, अंत में सीबीआई और पुलिस ने सुशांत की मौत को आत्महत्या ही बताया।

ग्रेनो को और हरा–भरा बनाने के लिए पौधरोपण अभियान

केंद्रीय विहार व फ्लोरीकल्चर सोसायटी के प्रतिनिधि एसीईओ से मिले

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एनसीआर के सबसे ग्रीन शहर ग्रेटर नोएडा को और हरा-भरा बनाने के लिए इस वर्ष के पौधरोपण अभियान में जनसहभागिता पर जोर रहेगा। शासन ने प्राधिकरण को सवा लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है, मगर सीईओ एनजी रवि कुमार ने इसे बढ़ाकर लगभग दो लाख कर दिया है। इसमें बड़े आकार वाले पौधों के साथ ही झाड़ियों की प्रजाति के पौधे भी शामिल हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने उद्यान विभाग की टीम के साथ बैठक की और इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी पर जोर दिया। इसके लिए एनजीओ, सामाजिक संगठनों और आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने शासन से पौधरोपण के लक्ष्य को हासिल करने और ग्रेटर नोएडा व ग्रेनो वेस्ट को और अधिक हरा-भरा बनाने के लिए बृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाने को कहा है। इसी सिलसिले में प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने सोमवार को बैठक की। बैठक में पौधरोपण अभियान को सफल बनाने पर चर्चा की गई। ग्रेटर नोएडा में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण अभियान के अंतर्गत प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों, संस्थाओं, ग्राम संगठनों, एनजीओ आदि को पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके लिए उद्यान विभाग के प्रभारी डीजीएम संजय कुमार जैन और सहायक निदेशक बुद्ध विलास को नोडल ऑफिसर बनाया गया है। इसके साथ ही अगर कोई सोसाइटी या संस्था ग्रीन बेल्ट को अडॉप्ट कर उसे विकसित करना चाहती है, तो प्राधिकरण उसके लिए भी तैयार है।

इस बैठक के दौरान फ्लोरीकल्चर सोसाइटी और केंद्रीय विहार सोसाइटी के प्रतिनिधि भी एसीईओ से मिले और ग्रीन बेल्ट के मेंटेनेंस की इच्छा जताई। केंद्रीय विहार सोसायटी के प्रतिनिधि ने समिति के सामने की ग्रीन बेल्ट को मेनटेन करने और फ्लोरीकल्चर सोसायटी ने ईटा वन में ग्रीन बेल्ट को मेनटेन करने का प्रस्ताव दिया है। दोनों संगठनों को ग्रीन बेल्ट की साइट विजिट भी कर दी गई है। इसके अलावा आईआईपीपीटी संस्था के सचिव संजीव कुलश्रेष्ठ भी एसीईओ से मिले और 10 एकड़ एरिया में ग्रीन बेल्ट को विकसित करने के लिए लगभग 25 हजार पौधे लगाने व उसको मेनटेन करने का प्रस्ताव दिया।

बैठक में ओएसडी गुंजा सिंह, महाप्रबंधक स्वास्थ्य आर.के. भारती, उद्यान विभाग के प्रभारी डीजीएम संजय कुमार जैन, प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, सहायक निदेशक उद्यान बुद्ध विलास सहित उद्यान विभाग की टीम मौजूद रही।

रेलवे में खाना सप्लाई करने वाली कंपनी ने करोड़ों रुपये डकारे

वेंडर्स को नहीं किया गया है भुगतान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब में एक बड़ा खुलासा हुआ है। छोटा-छोटा कारोबार करने वाले व्यापारियों की संस्था एमएसएमई वेंडर्स एसोसिएशन के सदस्यों का आरोप है कि भारतीय रेलवे में खाना सप्लाई करने वाली नोएडा की एक कंपनी ने छोटे-छोटे वेंडर्स के करोड़ों रूपए दबा लिए हैं। अपने रूपए मांगने पर वेंडर्स को जान से मारने की धमकी दी जाती है।

आपको बता दें कि भारतीय रेलवे में कैटरिंग का काम करने वाली नोएडा स्थित निजी कंपनी की मनमानी से छोटे छोटे माल की सप्लाई करने वाले वेंडर्स बेहद परेशान हैं। सोमवार को नोएडा मीडिया क्लब में एमएसएमई वेंडर्स एसोसिएशन ऑफिस इंडिया के सदस्यों द्वारा प्रेसवार्ता की गयी, प्रेसवार्ता के दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने आईआरसीटीसी के रजिस्टर्ड वेंडर अम्बुज होटल एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर आरोप लगाया है की कंपनी पिछले 7 से 8 महीनों से अपने साथ काम करने वाले छोटे छोटे वेंडर्स/ सप्लायर्स का भुगतान रोककर बैठी हुई है, ऐसे में छोटे छोटे उद्योग करने वाले वेंडर्स को जीवन यापन करने में भी काफी दिक्कत आ रही है।

वेंडर्स एसोसिएशन के सुशील तोमर ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बताया की नोएडा के ए-16 सेक्टर 6 स्थित अम्बुज होटल एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी आईआरसीटीसी का अधिकृत कैटरिंग सेवा प्रदाता है, जो वर्तमान में पूरे देश ने करीब 60 से अधिक मेल/एक्सप्रेस एवं वन्दे भारत ट्रेनों में खाद्य सेवा का संचालन करती है, लेकिन कंपनी करीब 6 से 8 महीनों से अपने सैकड़ो सप्लायरों और वेंडरों का भुगतान रोककर बैठी हुई है। जिसकी बकाया राशि करीब 7 से 8 करोड रुपए बैठती है।

वहीँ अमन गुप्ता ने बताया की जब भी कोई वेंडर सेक्टर 6 स्थित कंपनी के मुख्य कार्यालय में भुगतान की माँग करने पर्चेज मैनेजर आनंद शर्मा एवं अकाउंट मैनेजर अभिषेक झा द्वारा धमकी दी जाती है की जो करना है कर लो लेकिन पैसा नहीं मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया की हमें बाउंसर द्वारा माध्यम से डराया धमकाया जाता है साथ ही कई बार मारपीट भी की जा चुकी है। हमारी मानसिक स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि आत्महत्या जैसे ख्याल आने लगे हैं।वेंडर्स संगठन से जुड़े सभी लोगों ने प्रेस वार्ता के दौरान नोएडा के पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों से अपील की कि सभी सप्लायरों और वेंडर्स का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाए जिससे वह अपने लघु उद्योग को बचा सकें साथ ही कंपनी कि उच्च स्तरीय वित्तीय और सतर्कता जाँच होनी चाहिए,आईआरसीटीसी द्वारा उक्त कंपनी का लाइसेंस भी रद्द करना चाहिए।

प्राधिकरण के पांच कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

तहसीलदार शशि त्रिपाठी व सीमा सिंह उपजिलाधिकारी पद पर हुए पदोन्नत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के पाँच कर्मचारियों ने सोमवार को अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इन कर्मियों की विदाई पर नोएडा प्राधिकरण की नोएडा एम्प्लाइज एसोसिएशन ने एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों में मैकेनिक कम ऑपरेटर नीर सिंह यादव सहायक मैकेनिक कम ऑपरेटर इंद्रजीत उधान चौधरी सतीश शर्मा उधान चौधरी सुरेश एव स्वच्छता कर्मी सुधा शामिल हैं।

इसके साथ ही भूलेख विभाग में तैनात तहसीलदार शशि कुमार त्रिपाठी एव तहसीलदार सीमा सिंह को उपजिलाधिकारी के पद पर पदोन्नत होने पर शुभकामनाएँ प्रेषित की गई

एसोसिएशन अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह ने बताया कि सोमवार शाम प्राधिकरण के एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में इन कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शाल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी शशि कुमार त्रिपाठी उपजिलाधिकारी सीमा सिंह एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह महासचिव जितेंद्र कुमार उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा वीरपाल सचिव नीरज राणा अमित कुमार कोषाध्यक्ष सुभाषचंद्र आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया 'क्षितिज की गूंज' का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन की ओर से 'क्षितिज की गूंज' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने की एक झलक दिखाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद डा महेश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया वहीं मुख्य अतिथि का स्वागत संस्था के अध्यक्ष डा महिपाल सिंह ने किया।

संस्था के अध्यक्ष डॉ महिपाल सिंह ने बताया कि हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य हमेशा से ही दिव्यांग बच्चों का पुनर्वास कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडना रहा है इसी क्रम में दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में मुख्य अतिथि महेश शर्मा ने दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई गई संस्था की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया गया और बच्चों की प्रस्तुति देखी, बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से सेरेब्रल पाल्सी एवं जीवन में होने वाली समस्याओं और उनके निवारण के बारे में बताया।

डॉ दीक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि आथ्रीग्रायपोजसि मल्टीपल कंजेनिटा (एएमसी) बच्चों में होने वाली पैदायशी समस्या है और जून महीना इंटरनेशनल एएमसी जागुरुकता के लिए समर्पित है इस आयोजन में एएमसी से होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए भी जागरूक किया गया हैं।

संस्था के विशेष बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी वहीं मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी सभी दिव्यांग बच्चों एवं उपस्थित सभी चिकित्सकों को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मंच का संचालन ग्रंथ एवं सौम्या द्वारा किया गया, कार्यक्रम समापन पर डा सुष्मिता भाटी ने मुख्य अतिथि, बच्चों, अभिभावकों, चिकित्सकों एवं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग काने वाले सभी लोगो को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में वाई पी सिंह, दिवाकर शुक्ल, डा अमित गुता, डा भावना आनन्द, डा त्रिभुवन, कृष्णा यादव (स्पीच थेरापिस्ट) सुत्री इलिका रावत, डॉ प्रीति श्रीवास्तव, पूनम मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

दुर्लभ विकार से पीड़ित बच्चे को मिली नई जिंदगी

नोएडा (चेतना मंच)। फर्स्ट वन रेहब फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ महिपाल सिंह फिजियोथेरेपिस्ट और डॉ दीक्षा श्रीवास्तव ऑक्यूपेशनल थेरापिस्ट ऐसे दुर्लभ विकार के एक बच्चे का इलाज पिछले 15 वर्षों से कर रहे है। ताकि वो अपने जीवन स्तर को बेहतर करके खुशहाल जीवन जी पाए।

डॉ महिपाल सिंह ने बताया कि आथ्रीग्रायपोसिस मल्टीपल कंजेनिटा (AMC) बच्चों में होने वाली पैदायशी समस्या है जो गर्भ में ही बच्चों के जोड़ो के विकास को ठीक से होने नहीं देती जिससे की बच्चा दो या दो से अधिक जोड़ो में विकार के साथ पैदा होता है। ऐसे बच्चों के शरीर के विभिन्न जोड़ो में कांट्रेक्चर (जोड़ो का छोटा होकर सिकुड़ जाना, ठीक से विकसित ना हो पाना) की समस्या के कारण उनके मांसपेशियों और जोड़ो का शारीरिक विकास ठीक से नहीं हो पाता जिससे बच्चा अपनी बड़ी और छोटी मांसपेशियों का इस्तेमाल नहीं कर पाता और उसका खड़ा होना, चलना, उछलना, कूदना संभव नहीं हो पता।

ये बच्चे हाथों का भी कांट्रेक्चर की वजह से ठीक काम नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण बच्चे का गर्भ में विकास के समय गतिशील ना रहना है। सामान्य तौर पर बच्चा पाँच से छठे महीने में गर्भ में गति करने लगता है। कभी कभी यह अनुवांशिक कारण से भी हो सकता है। ऐसे बच्चे का मानसिक और भावनात्मक विकास सामान्य होता है। यह एक बहुत दुर्लभ विकार है जो 10000 बच्चों में से एक को हो सकता है।

डॉ दीक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि आज 30 जून को AMC (आर्थरोग्रायपोसिस मल्टीपल कंजेनिटा) के जागरूकता दिवस पर हम फर्स्ट वन रेहब फाउंडेशन के तरफ से सबको जागरूक करना चाहते है की सभी इस विकार से होने वाली चुनौतियों को समझे और ऐसे बच्चों का सामाजिक एकीकरण करने में अपना सहयोग करिए। ऐसे बच्चे आप सभी के सहयोग से अपने जीवन में बेहतर कर सकते है ।

जन्मदिन की बधाई

भाजपा के प्रथम जिलाध्यक्ष रहे एवं गौतमबुद्धनगर लोकसभा के संयोजक प्रणीत भाटी के जन्मदिवस पर चेतना मंच की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं

चेतना मंच परिवार